सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

पंत की योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर -पेज: 7

चार साल की उम्र में शुरू किया अभिनय -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 51 | गुरुवार- 29 मई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

संक्षिप्त समाचार

चंद्रबाबू नायडू ने एनटीआर को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया

अमरावती (एजेंसी) आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) संस्थापक एनटी रामाराव (एनटीआर) को उनकी 102वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

नायडू ने प्रधानमंत्री द्वारा श्रद्धांजलि दिये जाने पर प्रतिक्रिया जताते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी, वास्तव में एनटीआर का यह विश्वास हमारा मार्गदर्शन करना जारी रखे हुए है कि समाज एक मंदिर है और लोग भगवान हैं। सेवा की उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।''

शिवसेना (उबाठा) नेता निर्मला गावित एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हुईं

ठाणे (एजेंसी) शिवसेना (उबाठा) की नेता एवं पूर्व विधायक निर्मला गावित बुधवार को यहां आयोजित एक समारोह में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गईं।

गावित के साथ नासिक जिले की एक हजार से अधिक महिला कार्यकर्ता शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुईं। इस अवसर पर गावित ने कहा, ''हमारा नेता बदल गया है लेकिन पार्टी, शिवसेना वही है।'' शिंदे ने कहा कि नए सदस्यों का आना यह दिखाता है कि महायुति सरकार के प्रदर्शन को लोग स्वीकार कर रहे हैं।

थरूर को भाजपा का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए: उदित राज

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस नेता उदित राज ने अपनी पार्टी के सांसद शशि थरूर के एक ताजा बयान को लेकर बुधवार को उन पर निशना साधा और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर देना चाहिए।

पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष की पृष्ठभूमि में भारत का पक्ष रखने के लिए विदेश गए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने पनामा में कहा कि हाल के वर्षों में जो बदलाव आया है वह यह है कि आतंकवादियों को भी एहसास हो गया है कि उन्हें अपने किए की कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पहली बार ऐसा हुआ कि सितंबर 2016 में उरी हमले के बाद भारत ने आतंकी ठिकानों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा को पार किया।

थरूर के बयान को लेकर उदित राज ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रिय शशि थरूर, अफसोस! मैं प्रधानमंत्री मोदी से इसकी पहल कर सकता हूं कि वह आपको भाजपा का मुख्य प्रवक्ता घोषित कर दें, यहां तक कि भारत लौटने से पहले आपको विदेश मंत्री भी घोषित कर दें।''

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर विचार कर रही सरकार

नयी दिल्ली: (एजेंसी) केंद्र सरकार इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने के विकल्प पर विचार कर रही है। न्यायमूर्ति वर्मा पर राष्ट्रीय राजधानी में उनके आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में जली हुई नकद राशि मिलने के बाद उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त जांच समिति ने अभियोग लगाया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि अगर न्यायमूर्ति वर्मा स्वयं इस्तीफा नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाना एक स्पष्ट विकल्प होगा।

संसद का मानसून सत्र जुलाई के दूसरे पखवाड़े में शुरू होने की संभावना है। न्यायमूर्ति वर्मा को उनके आवास पर भारी मात्रा में जली हुई नकद राशि मिलने की अप्रिय घटना के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय वापस भेज दिया गया था।

तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई करने की सिफारिश की थी। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित आंतरिक जांच समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा पर अभियोग लगाया था जिसके बाद न्यायमूर्ति खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को यह पत्र भेजा, हालांकि इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया गया।

सूत्रों ने बताया कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश खन्ना ने न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की औपचारिक प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

वर्मा ने खुद को निर्दोष बताया है और अपने 'आउटहाउस' में आग लगने के बाद मिली नकदी से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि वर्मा के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले सरकार विपक्षी दलों को विश्वास में लेगी। इस घटना के बाद न्यायमूर्ति वर्मा को विभिन्न राजनीतिक दलों की आलोचना का सामना करना पड़ा है। एक सूत्र ने कहा, ''इस मामले पर जल्द अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इस तरह के स्पष्ट घोटाले को नजरअंदाज करना मुश्किल है।''

मोदी चार राज्यों के दौरे पर विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार से चार राज्यों की दो दिवसीय यात्रा करेंगे और कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करें गे। अपने तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने से पहले प्रधानमंत्री अपने व्यस्त कार्यक्रमों के तहत विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे और कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मोदी 29 और 30 मई को सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे।

वह बृहस्पतिवार को ''सिक्किम ऐट 50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है'' कार्यक्रम से अपने दौरे की शुरुआत करेंगे और सिक्किम में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे तथा उनका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह जनसभा को संबोधित करेंगे।

पश्चिम बंगाल में वह अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में नगर गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे और शाम को बिहार में पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे।

वह शुक्रवार को बिहार के काराकाट में 48,520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे और एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में वह कानपुर नगर में करीब 20,900 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे तथा सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगे।

मोदी ने राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों का दौरा किया है तथा नौ जून को अपनी सरकार की वर्षगांठ से पहले वह और भी राज्यों का दौरा करेंगे। नौ जून को ही उन्होंने पिछले साल अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी। विभिन्न राज्यों के दौरों में अपने भाषणों में उन्होंने विकास संदेश के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को सख्त संदेश भी दिया।

चार राज्यों के उनके दौरे का जिक्र करते हुए बयान में कहा गया है कि सिक्किम सरकार ने ''सुनाउलो, समृद्ध और समर्थ सिक्किम'' थीम के तहत एक साल तक गतिविधियों की एक लंबी श्रृंखला की योजना बनाई है, जिसमें सिक्किम की सांस्कृतिक समृद्ध, परंपरा, प्राकृतिक वैभव और इसके इतिहास का जश्न मनाया जाएगा।

उनके द्वारा शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में नामची में 750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बना 500 बिस्तरों वाला नया जिला अस्पताल, सांगाचोलिंग में यात्री रोपवे और गंगटोक के सांगखोला में अटल अमृत उद्यान में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा शामिल हैं।

बयान में कहा गया है कि अलीपुरद्वार और कूचबिहार में नगर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना भारत में सीजीडी नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। कुल 1010 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य 2.5 लाख से अधिक घरों, 100 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पाइप से प्राकृतिक गैस उपलब्ध कराना है। इसके अलावा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्यों के अनुरूप लगभग 19 सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) स्टेशन स्थापित करके वाहनों के लिए सीएनजी उपलब्ध कराना भी इस परियोजना का उद्देश्य है।

बयान में कहा गया है कि इससे सुविधाजनक, विश्वसनीय, पर्यावरण के अनुकूल और लागत प्रभावी ईंधन आपूर्ति होगी और क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

पटना हवाई अड्डे पर नया टर्मिनल करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है।

मोदी 30 मई को कानपुर में करीब 21 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे

लखनऊ (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी "आपरेशन सिंदूर" की सफलता के बाद अपने देशव्यापी दौरे में शुक्रवार को कानपुर आयेंगे, जहां वह करीब 21 करोड़ रुपये लागत वाली परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी इस दौरे के दौरान पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से भी मुलाकात कर सकते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री 30 मई को कानपुर के एक दिवसीय दौरे में क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वह 2,120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन से कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन तक के खंड का उद्घाटन करेंगे। इसमें 14 नियोजित स्टेशन शामिल होंगे जिनमें पांच नए भूमिगत स्टेशन शामिल होंगे। यह खंड शहर के प्रमुख स्थलों और वाणिज्यिक केंद्रों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगे। इसके अतिरिक्त, मोदी जीटी रोड के सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का भी उद्घाटन करेंगे।

योगी ने कानपुर दौरे की तैयारियों की समीक्षा की

कानपुर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी कानपुर दौरे से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की और समारोह स्थल का निरीक्षण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को त्रुटि रहित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और उन्हें त्रुटि रहित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने को कहा। इस समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा। योगी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कहीं भी यातायात जाम नहीं होना चाहिए और पार्किंग स्थलों तथा अन्य स्थानों पर वाहन बेतरतीब ढंग से खड़े नहीं होने चाहिए, जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि पेयजल, सफाई, मूत्रालय आदि की भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने चार उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने राजस्थान, त्रिपुरा, झारखंड और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों के स्थानांतरण की सिफारिश की है। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 26 मई को हुई बैठक में स्थानांतरण की सिफारिश करने का निर्णय लिया।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि न्यायमूर्ति मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव को राजस्थान से मद्रास उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह को त्रिपुरा से तेलंगाना उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया है।

प्रस्ताव के अनुसार, न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव को झारखंड से त्रिपुरा उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति केआर श्रीराम को मद्रास से राजस्थान उच्च न्यायालय भेजा गया है।

कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ताड़कमल्ला विनोद कुमार को तेलंगाना उच्च न्यायालय से मद्रास उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की भी सिफारिश की है। सत्रह नवंबर 1964 को जन्मे न्यायमूर्ति कुमार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नलगोंडा जिले के सूर्यपेट में और उसके बाद हैदराबाद में ग्रहण की।

उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से कला स्नातक और एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की। न्यायमूर्ति कुमार ने 1988 में आंध्र प्रदेश विधिज्ञ परिषद (आंध्र प्रदेश बार काउंसिल) में वकील के रूप में नामांकन कराया और वरिष्ठ अधिवक्ता रवि के चैंबर से जुड़े।

उप्र : वाराणसी में बीएचयू की प्रयोगशाला के दो कर्मचारी कोविड-19 से संक्रमित

वाराणसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) की प्रयोगशाला के दो कर्मचारी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित दोनों व्यक्ति बीएचयू की प्रयोगशाला के कर्मचारी हैं और दोनों ने हाल ही में अन्य राज्यों की यात्रा की थी, जिससे संक्रमण की संभावना है। डॉ. चौधरी ने कहा, ₹फिलहाल, दोनों व्यक्ति घर में ही पृथकवास में रह रहे हैं और धीरे-धीरे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जिले के सभी सरकारी अस्पतालों को कोविड-19 के संदिग्ध मामलों की जांच करने का निर्देश दिया है। सीएमओ ने कहा कि

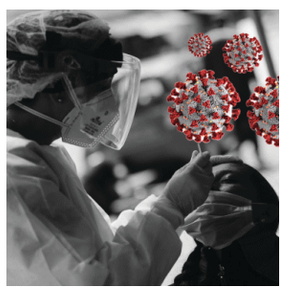

संभावित मामलों से संबंधित आंकड़ों को यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस प्लेटफॉर्म (यूडीएसपी) पर रिपोर्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, संदिग्ध मामलों से एकत्र किए गए नमूनों को जांच के लिए बीएचयू की प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। गौरतलब है कि देश के कुछ हिस्सों में कोविड-19 के नए मामले सामने आ रहे हैं, इसके मद्देनजर अधिकारियों को निगरानी रखने और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अदालत ने भारतीय सेना में गुर्जर रेजिमेंट बनाने की याचिका पर विचार करने से किया इनकार

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय सेना में गुर्जर रेजिमेंट के गठन के लिए केंद्र को निर्देश देने संबंधी जनहित याचिका पर विचार करने से बुधवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने जनहित याचिका को ''पूर्णतः विभाजनकारी'' करार दिया और याचिकाकर्ता की वकील से कहा कि ऐसी याचिकाओं को प्रस्तुत करने से पहले वे कुछ शोध किया करें। अदालत ने याचिकाकर्ता पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी, जिसके बाद अदालत का 'मूड' भांपते हुए वकील ने याचिका वापस ले ली। पीठ ने कहा, ''काफी लंबी बहस के बाद याचिकाकर्ता की वकील ने कहा कि उन्हें अदालत में मौजूद याचिकाकर्ता से याचिका वापस लेने के लिए निर्देश मिले हैं। याचिका को वापस लिया मानकर खारिज किया जाता है।'' अदालत रोहन बसोया की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि गुर्जर समुदाय की बहादुरी का इतिहास अच्छी तरह से प्रलेखित है, जिसने 1857 के विद्रोह, 1947, 1965, 1971 के भारत-पाक युद्ध, करगिल युद्ध (1999) और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-रोधी अभियानों सहित विभिन्न संघर्षों में भाग लिया है।

वर्ष 2013 में गया था पाकिस्तान, जांच एजेंसियां क्या कर रही हैं: गोगोई

नयी दिल्ली (एजेंसी) कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने बुधवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के आरोपों को ''एक सी ग्रेड बॉलीवुड सिनेमा'' करार दिया और कहा कि वह 2013 में अपनी पत्नी के साथ पाकिस्तान गए थे, लेकिन अगर उन्होंने कुछ गलत किया तो पिछले 11 वर्ष से भाजपा की सरकार के तहत एजेंसियां क्या कर रही हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि शर्मा ने कांग्रेस आलाकमान की नजर में उनकी छवि खराब करने के मकसद से कथित पाकिस्तानी संबंध को लेकर आरोप लगा रहे थे।

'अब दिल्ली में ऐसी सरकार जो लोगों के लिए काम करती है'

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्ता में 100 दिन पूरे होने पर अपनी सरकार को 'जनता के लिए काम करने वाली सरकार' करार देते हुए बुधवार को कहा कि उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय राजधानी में विकास कार्यों पर जोर दिया जा रहा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 'श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स' द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में गुप्ता ने अपने संबोधन में नयी सरकार का समर्थन करने और उसपर विश्वास जताने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, '' अब दिल्ली में ऐसी सरकार है जो लोगों के लिए काम करती है। मैं शहर के लोगों को हमें चुनने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा, ''आपके

विश्वास और हमारे प्रयासों से, हम पिछले 100 दिनों में कई चीजों को सही कर पाये हैं। जो परियोजनाएं और योजनाएं रुकी हुई थीं, उन्हें आखिरकार अमलीजामा पहनाया जा रहा है।'' मुख्यमंत्री ने इस सकारात्मक बदलाव का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग को दिया। उन्होंने कहा, ''दिल्ली को डबल इंजन वाली सरकार का पूरा लाभ मिल रहा है। केंद्र सरकार की जो योजनाएं पहले विलंबित या नजरअंदाज की जाती थीं, वे अब लोगों तक पहुंच रही हैं।''

दिल्ली सरकार अवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान तलाश रही : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली (एजेंसी) रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान तलाश रही है। मुख्यमंत्री अपने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के पीतमपुरा में विकास कार्यों के उद्घाटन के अवसर पर बोल रही थीं। कार्यक्रम में एक बुजुर्ग महिला ने आवारा कुत्तों का मुद्दा उठाया। गुप्ता ने कहा, ''मैं आवारा कुत्तों से होने वाली समस्याओं को हल करने पर काम कर रही हूं। इस समस्या में लोगों के साथ-साथ बेजुबान जानवर भी शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार बाशिंदों के साथ-साथ इन जानवरों की देखभाल करने वालों को एक साथ लाने के लिए एक मंच बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक कानून है और आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में नहीं रखा जा सकता या उन्हें उन सड़कों से विस्थापित नहीं किया जा सकता जहां वे रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सरकार एक दीर्घकालिक समाधान की तलाश कर रही है जिसमें न तो लोगों को और न ही जानवरों को असुविधा हो।

संपादकीय

नाकामी की सजा पूरे परिवार को क्यों

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी?

निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो।

बांग्लादेश की कमजोर नसों को कब दबाएगा भारत?

» कमलेश पांडे
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है।

कभी 'ग्रेटर बंगलादेश' का स्वप्न संजोने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता और बांग्लादेश के कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब अपने ही देश में ऐसे घिरे हैं कि जब उन्हें आगे का कोई रास्ता नजर नहीं आया तो फिर अपने जन्मदाता भारत पर ही अनर्गल लांछन लगाने लगे। वह अमेरिका, चीन, पाकिस्तान की गोद में खेलें, कोई बात नहीं लेकिन भारत और हिंदुओं से खेलेंगे तो अगले ऑपरेशन सिंदूर के लिए तैयार रहें। याद रखें, तब कोई बाप बचाने नहीं आएगा। हाल ही का पाकिस्तानी मंजर देख लें, अंजाम समझ लें और हो सके तो भारत के पड़ोस में बचकानी हरकत बंद कर दें।

बता दें कि अपनी पिछली चीन यात्रा के दौरान ही उन्होंने बढ़चढ़ कर भारत के चिकेन नेकर पर काबिज होने, पश्चिम बंगाल-उत्तर-पूर्व बिहार और उत्तर-पूर्व के सात बहन राज्यों को मिलाकर ग्रेटर बांग्लादेश बनाने और नार्थ-ईस्ट राज्यों को लैंड लॉक्ड बताकर इलाकाई समुद्र का बेताज बादशाह होने का जो दिवास्वप्न उन्होंने देखा है, उसके मुताल्लिक भारत भी उन्हें दिन में ही तारे दिखाने की रणनीति बना चुका है। अब वो आगे बढ़ेंगे तो पीछे से भारत भी एक बार फिर बांग्लादेश का अंग भंग कर देगा! क्योंकि कभी पाकिस्तान से पूर्वी पाकिस्तान का अंग भंग करवाकर भारत ने ही जिस बांग्लादेश का निर्माण करवाया था, आज वही बांग्लादेश जब भारत को आंखें दिखाएगा तो अपने अंजाम को भी भुगतने को तैयार रहेगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि वहां की शेख हसीना सरकार की तख्तापलट के बाद महज 6 माह में ही परवर्ती कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बांग्लादेश भारत विरोधी चीनी, पाकिस्तानी और अमेरिकी अखाड़े का अड्डा बन चुका है, जो उसके लिए शर्म की बात होनी चाहिए। यही वजह है कि इस विफल सरकार के खिलाफ अब वहां भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जिससे देश में अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में यूनुस ने अपना सारा दोष भारत पर मढ दिया है। हालांकि भारत के पास उन्हें जवाब देने के लिए ऐसे-ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिससे उनके होश उड़ सकते हैं।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश एक बार फिर से उबल रहा है, जिससे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार अस्थिरता के बवंडर की ओर निरंतर बढ़ रही है। उनकी सेना से ही उनकी ऊटपटांग नीतियों का विरोध हो रहा है। जबकि उनकी सरकार के खिलाफ जनता द्वारा भी अविलंब चुनाव की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इससे मुल्क में तनाव का आलम व्याप्त हो चुका है। चूंकि इस विरोध प्रदर्शन में सरकारी कर्मचारी भी शामिल हो चुके हैं। इसलिए अपनी उल्टी

गिनती शुरू होते देख मोहम्मद यूनुस अपनी नाकामियों को बिना नाम लिए भारत पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। वहां उनकी लापरवाही और अदूरदर्शिता से अब जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए 'विदेशी साजिश' को जिम्मेदार बता रहे हैं।

जबकि, हकीकत ये है कि उन्हें सिर्फ चुनाव करवाने तक के लिए सरकार चलाने भर की जिम्मेदारी मिली है। लेकिन, जानकार बताते हैं कि वह चुनाव छोड़कर बाकी हर तरह के हथकंडे अपनाने में लगे हैं। बांग्लादेश की विदेश नीति, उसका संविधान, उसका इतिहास और यहां तक कि उसके जन्म की मूल अवधारणा तक को वो नकारने के लिए आत्मघाती दांव लगा रहे हैं। यही वजह है कि आज बांग्लादेशी फौज भी उनके विरोध में खड़ी हुई है।

ऐसे में यह कहना गलत न होगा कि मोहम्मद यूनुस जब से बांग्लादेश की सत्ता में आए हैं, भारत के चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के साथ झूम-झूम कर नाचने-गाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, उन्हें चीन के दम पर भारत के जिस भारत के चिकन नेक कॉरिडोर (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) को दबा पाने की गलतफहमी हो गई है, ग्रेटर बांग्लादेश बनवाने में विदेशियों व भारत के मुसलमानों के साथ मिलने का भ्रम हो चुका है, और लैंड लॉक्ड नार्थ ईस्ट के चलते समुद्र का बेताज बादशाह होने के जो सपने उन्होंने चीन को दिखाए हैं, तब उन्हें शायद यह अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि भारत के रणनीतिकार उनके साथ और उनके हमदम चीन-पाकिस्तान-म्यांमार के साथ क्या क्या कर सकता है। शायद मोहम्मद यूनुस शायद यह भूल चुके हैं कि बांग्लादेश की पैदाइश ही कुशल भारतीय विदेश नीति की सफल देन रही है, जिसे तब अमेरिका व चीन नहीं रोक पाए थे। यह भारत की वीरता है जो चुटकट्टो पर युद्ध के मैदान में भारी पड़ती है। ऐसे में जब वो अपने जन्मदाता की संप्रभुता और अखंडता को ही चुनौती देने लगेंगे तो भारत को भी देर-सबेर अपने सटीक विकल्प तलाशने पड़ेंगे। यदि भारत के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के एक हालिया सकेसाक्षात्कार को देखें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि नागपुर मुख्यालय से भी मोदी सरकार को उसी तरफ इशारा किया गया है।

मसलन, संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर और पांचजन्य में गत रविवार को छपे उनके एक इंटरव्यू के मुताबिक उन्होंने भारत के पड़ोस में 'बुराई को खत्म' करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल करने की बात कही है, वह अब हमारी विदेश नीति का महत्वपूर्ण ध्येय बनने जा रहा है। उनके अनुसार जिन कुछ देशों में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है, वहां पर हिंदू समाज की ताकत का इस्तेमाल उनकी रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर अपने विचार रखते हुए संघ के सर संघचालक ने ठीक ही कहा है कि, "हमारी ताकत अच्छे लोगों की रक्षा और बुरे लोगों को नष्ट करने के लिए होनी चाहिए। जब कोई और चारा नहीं होता, तो बुराई को जबरदस्ती खत्म करना पड़ता है। इसलिए, हमारे पास शक्तिशाली बनने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि हम अपनी सीमाओं पर बुरी ताकतों की बुराई देख रहे हैं।"

हमारा तात्पर्य यह है कि शायद जो बात मोहन भागवत ने खुलकर नहीं कहा, उसे असम के मुख्यमंत्री और पूर्वोत्तर के दिग्गज बीजेपी नेता हिमंत बिस्वा सरमा ने अधिक विस्तार से बताने की कोशिश की है, जो सराहनीय है।

मुद्दा

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

» ललित गर्ग

.नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है। सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है।

पर्सनालिटी

हिंदुत्व के पुरोधा थे विनायक दामोदर सावरकर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर क्रांतिकारियों में से एक वीर सावरकर ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने का काम किया था। सावरकर अंग्रेजों की आंखों की किरकिरी थे, जिन्होंने सशस्त्र क्रांति की अलख जगाई था।

एक भारतीय राजनीतिज्ञ, कार्यकर्ता और लेखक विनायक दामोदर सावरकर का 28 मई को जन्म हुआ था। उन्होंने सशस्त्र क्रांति और हिंदुत्व की विचारधारा से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने का काम किया था। हालांकि नासिक षड्यंत्र कांड के कारण सावरकर को कालापानी की सजा मिली, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर विनायक दामोदर सावरकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

महाराष्ट्र के नासिक के पास स्थिति भगूर गांव में विनायक दामोदर सावरकर का जन्म हुआ था। वह मराठी हिंदू चितपावन ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखते थे। इनके पिता का नाम दामोदर और मां का नाम राधाबाई सावरकर था। स्कूली जीवन से ही सावरकर के अंदर राजनीतिक चेतना थी। उन्होंने साल 1903 में अपने बड़े भाई गणेश सावरकर के साथ मिलकर मित्र मेला नामक संगठन की स्थापना की। जिसको बाद में अभिनव भारत सभा के नाम से भी जाना गया। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश शासन को जड़ से उखाड़ना था और हिंदू गौरव को पुनर्जीवित करना था।

अंग्रेजों के लिए खतरा थे सावरकर

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का सावरकर पर गहरा प्रभाव पड़ा था। साल 1905 में सावरकर ने बंगाल विभाजन का विरोध किया था और तिलक की उपस्थिति में उन्होंने अन्य छात्रों के साथ विदेशी कपड़ों की होली जलाई थी। वहीं सावरकर से तिलक भी काफी प्रभावित हुए थे और साल 1906 में लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप दिलाने में सहायता की थी।

फिर साल 1909 में वीर सावरकर पर ब्रिटिश सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने और अंग्रेजी अफसरों की हत्या का आरोप लगा। ऐसे में गिरफ्तारी से बचने के लिए सावरकर पेरिस चले गए और बाद में लंदन गए। वहीं मार्च 1910 में सावरकर को लंदन में हथियार बांटने, भड़काऊ भाषण देने और सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसे कई आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों के मन में सावरकर के प्रति इसलिए भी डर था, क्योंकि वह सिर्फ एक क्रांतिकारी ही नहीं बल्कि एक प्रखर विचारक भी थे।

सावरकर के हिंदुत्व की अवधारणा ने भारतीय समाज को एकजुट करने का काम किया था। जिसको अंग्रेज 'फूट डालो और राज करो' नीति से कमजोर करना चाहते थे। वहीं सावरकर के भाषणों और लेखन में स्वाभिमान और देशभक्ति की ऐसी आग थी कि अंग्रेजों को डर था कि यह आग ब्रिटिश साम्राज्य को भस्म कर देगी। साल 1936 में किसी मुद्दे पर कांग्रेस और वीर सावरकर में मतभेद हो गया था। पार्टी के भीतर विरोध की आवाज तेज होने लगी। इस दौरान मशहूर पत्रकार, शिक्षाविद, कवि और नाटककार पीके अत्रे ने सावरकर का साथ दिया। अत्रे ने ही सावरकर को वीर की उपाधि से संबोधित किया था। आगे चलकर वह वीर सावरकर ने नाम से मशहूर हो गए थे।

साल 1949 में वीर सावरकर पर गांधी हत्याकांड में शामिल होने का आरोप लगा था। वहीं अन्य 8 लोगों के साथ उनको भी इस साजिश में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। इस कारण से वीर सावरकर की छवि को धक्का लगा था। लेकिन ठोस सबूतों के अभाव में सावरकर को बरी कर दिया गया था।

मृत्यु

बता दें कि 26 फरवरी 1966 को 82 साल की उम्र वीर सावरकर का निधन हो गया था। बताया जाता है कि सावरकर ने एक महीने पहले से उपवास करना शुरूकर दिया था। जिसके कारण उनका शरीर कमजोर होता चला गया था।

आज का इतिहास

29 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1990 - बोरिस येल्तसिन सोवियत संघ के राष्ट्रपति निर्वाचित।
1999 - नाइजीरिया में नागरिक सत्ता की स्थापना।
2003 - ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर इराक के पुनर्निर्माण कार्यों का आकलन करने के लिए बसरा पहुँचे।
2004 - म्यांमार में चक्रवाती तूफ़ान ने 140 लोगों की जान ली। पाकिस्तान ने परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर ख़ान पर लगाये गये प्रतिबंधों में ढील दी।
2007 - जापान की रियो मोरी मिस यूनिवर्स 2007 बनीं।
2008 - इंटरनेट सर्च इंजन गूगल ने सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट माइस्पेस के साथ ई-मेल सम्बन्धी समझौता किया। नेपाली सरकार ने राजतंत्र का अन्त कर गणतंत्र की घोषणा करते हुए शाही महलों सहित देश के सभी भागों से राजतंत्र के सभी चिह्न हटाते हुए राष्ट्रध्वज को मान्यता दी।
2010 - अमेरिका और भारत के बीच सितंबर 2008 में हुए 123 अग्रीमेंट में छोड़ दिए गए परमाणु ईंधन की रिप्रोसेसिंग के पहलू पर अमेरिकी प्रशासन ने सहमति का ऐलान किया। भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने हेनान प्रांत के लुओयांग में पहली सदी के प्राचीन श्वेताश्व व्हाइट हार्स मंदिर परिसर में भारतीय शैली से निर्मित एक बौद्ध मंदिर का लोकार्पण किया। भारत की ओर से बनाये गये इस मंदिर पर क़रीब 18 करोड़ रुपये की लागत आयी थी। इसके निर्माण में तीन वर्ष लगे।

29 मई को जन्मे व्यक्ति

1977 - एल. मुरुगन - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ और अधिवक्ता हैं।
1954 - मदन कश्यप - भारत के जानेमाने कवि हैं।
1942 - हुल्लड़ मुरादाबादी - भारत के प्रसिद्ध व्यंग्य कवि थे।
1906 - कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर - हिन्दी के जाने-माने निबंधकार।
1905 - हीराबाई बरोदेकर - किराना घराने की हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायिका थीं।
1865 - रामानन्द चैटर्जी - पत्रकारिता जगत के एक पुरोगामी शख्सियत थे।

29 मई को हुए निधन

2020 - योगेश (गीतकार) - प्रसिद्ध भारतीय गीतकार और लेखक थे।
2020 - अजीत जोगी - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ व राजनेता थे।
1987 - चौधरी चरण सिंह - भारत के पाँचवें प्रधानमंत्री, जो किसानों की आवाज़ बुलन्द करने वाले प्रखर नेता माने जाते थे।
1977 - सुनीति कुमार चटर्जी - भारत के प्रसिद्ध भाषाविद, साहित्यकार तथा विद्याशास्त्री
1972 - पृथ्वीराज कपूर - हिंदी फ़िल्म और रंगमंच अभिनय के इतिहास पुरुष, जिन्होंने मुम्बई में 'पृथ्वी थिएटर' स्थापित किया।
1933 - लोकराम नयनराम शर्मा

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पुलिस अधीक्षक ने शान्ति व्यवस्था कायम रखने के लिए किया अपराध गोष्टी का आयोजन

» सब का सपना

अमरोहा: पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार में जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था के सुदृढीकरण एवं शान्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अपराध गोष्टी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने जनपद में टॉप-10 अपराधियों व चिन्हित माफियाओं के विरुद्ध (गुण्डा/गैंगस्टर/एच0एस0 इत्यादि) कार्यवाही समीक्षा कर उनके विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही जारी रखने हेतु निर्देश दिए तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु शातिर अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने, जिला बदर/गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही करने एवं अनावरण हेतु शेष अभियोगो की समीक्षा, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन व I.G.R.S. प्रार्थना पत्रों की निष्पक्ष समयबद्ध जांच हेतु निर्देशित किया। साथ ही निर्देश दिए की महिला सम्बन्धी अपराधी/पोक्सो एक्ट सम्बन्धी प्रकरणों में प्रभारी पैरवी कर अभियुक्तो को जल्द से जल्द सजा कराना सुनिश्चित कराये।

अपराधिक इतिहास वाले शस्त्र लाईसेंस धारकों के शस्त्र निरस्तीकरण की कार्यवाही एवं गुण्डा/गैंगस्टर/एच0एस0 इत्यादि की समीक्षा कर उनके विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही जारी रखने हेतु निर्देशित किया तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु शातिर अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोलने, जिला बदर/गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया ।

वांछित, गैर जमानती वारण्टियों एवं इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया ।

बरामदगी को शेष अपहृत एवं गुमशुदा की बरामदगी की समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया । अवैध शराब, जुआ/सट्टा व मादक पदार्थ की बिक्री आदि संगठित अपराधों पर पूर्णतः रोक लगाने हेतु सभी थाना प्रभारियों को अभियान चलाकर ऐसे अपराधों में लिप्त अपराधियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी करने कार्यवाही हेतु निर्देशित किया साथ ही थाने के समस्त अभिलेखों एवं रजिस्टरो को अध्याविधिक करने हेतु निर्देशित किया गया । समस्त थानो व चौकियों पर स्थापित सीसीटीवी कन्ट्रोल रुम की स्थिति की समीक्षा की गयी व सभी तिराहो/चौराहों एवं मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने हेतु निर्देशित किया गया।

माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया । हिस्ट्रीशीटर्स की समय-समय पर चैकिंग करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । जनपद में अपराधों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु डकैती, लूट, नकबजनी, चोरी व गोवध के अपराधियों का सत्यापन एंव निरोधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पर फरियादियों की शालीनतापूर्वक समस्याओं को सुनकर तत्काल निष्पक्ष आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्वक निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। गोष्टी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, समस्त क्षेत्राधिकारी व समस्त थाना प्रभारी आदि मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

चोरी की घटना मे संलिप्त 6 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

» सब का सपना

गजरौला: पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी की घटना में शामिल छः शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय भेज दिया है ।जिनके कब्जे से पुलिस ने तीन मोटर,एक ट्रेक्टर मय ट्राली एवं एक प्लेटिना मोटरसाइकिल व 146500 रु की धनराशि बरामद की है तथा गिरफ्तार अभियुक्तों का अपराध की संबंधित धाराओं में चालान कर जनपद न्यायालय को भेज दिया है।

बता दें कि बुधवार को गजरौला पुलिस द्वारा की गई पी सी के दौरान चोरी की घटना में शामिल छः शातिर चोरों को गिरफ्तार कर जनपद न्यायालय के भेज है। पुलिस के मुताबिक प्राप्त जानकारी अनुसार बीती 20/05/2025 को प्रबंधक सुरक्षा एवं प्रशासन जुबिलेंट इन्ग्रेविया लिमिटेड भर्तियाग्राम गजरौला सत्येंद्र कुमार की तरफ तहरीर प्राप्त हुई थी। जिसमें गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा 12/05/2025 को कम्पनी परिसर से 21 विद्युत मोटर चोरी कर लिए गए थे ।जिस पर गजरौला पुलिस द्वारा गहनता से जांच-पड़ताल कर कार्यवाही करते हुए बुधवार को चोरी का घटना का खुलासा किया गया और चोरी की घटना में शामिल छः शातिर चोरों रविंद्र पुत्र चरन सिंह निवासी ग्राम नीलीखेड़ी थाना धनौरा अमरोहा, साकिर पुत्र सफीक अहमद निवासी मोहल्ला लक्ष्मी नगर गजरौला,कपिल पुत्र प्रकाश सिंह निवासी ग्राम भानपुर खालसा थाना गजरौला अमरोहा,सुरेंद्र सिंह पुत्र स्व. महेंद्र सिंह निवासी मोहल्ला फाजलपुर गजरौला,मलखान उर्फ रियासत अली पुत्र लियाकत हुसैन निवासी मोहल्ला मायापुरी गजरौला, धर्मेंद्र पाल पुत्र चंद्रपाल निवासी ग्राम भानपुर खालसा थाना गजरौला अमरोहा को गिरफ्तार किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से तीन लोहे की मोटर,एक ट्रेक्टर मय ट्राली,एक प्लेटिना मोटरसाइकिल सहित 146500 रु की धनराशि बरामद की गई है। जिसके बाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों का अपराध की संबंधित धाराओं में चालान कर जनपद न्यायालय को भेज दिया है। इसके अलावा पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना में अभी एक अभियुक्त वांछित चल रहा है जिसको जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

आज विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित, समय से निबटा ले काम

» हनी चन्द्रा/ सब का सपना

चंदौसी/सम्भल : विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी प्रथम चंदौसी ने बताया कि आज दिन बृहस्पतिवार को विद्युत आपूर्ति प्रात 10:00 बजे से लेकर शाम 5:00 बजे तक 33/11 KV उपकेंद्र हनुमानगढ़ी पर आगामी ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत आर डी एस एस योजना के अंतर्गत विद्युत लाइन प्रणाली के सुदृढीकरण का कार्य किया जाएगा। जिसमें पोल लागने का कार्य होगा ताकि भविष्य में विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सप्लाई के साथ-साथ विद्युत लाइन से सुरक्षा भी दी जा सके। इसके चलते विद्युत आपूर्ति, मुखिया ब्रांच, आर आर के स्कूल, नीलम हास्पिटल, शिव धाम कालोनी, विनायक गार्डन, गणेश कालोनी, मनिहार चौक, हनुमान गढ़ी, नई बस्ती, सीता आश्रम, माँ हास्पिटल, मूछों वाला शिव मन्दिर, सीता रोड, पार्थ हास्पिटल, सहज मार्ग, मई गाँव, सजय बस्ती, चुन्नी मोहल्ला, खुर्जा गेट, ब्रह्म बाजार, हाथी खाना, लुधियान मोहल्ला, धोबियान मोहल्ला, सेमर टोला, बडा.महादेव, गोपाल मोहल्ला की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। सभी उपभोक्ता अपना काम समय से निपटा लें।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर होगा पुलिस प्रशासन एवम् मीडिया के संबंधों पर गोष्ठी का आयोजन

» सब का सपना

अमरोहा: आगामी 30 मई 2025 को वरिष्ठ साहित्यकार पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी के जन्म दिवस पर हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर न्यू अमरोहा ज़िला प्रेस क्लब (रजी.) तथा अमरोहा प्रेस कल्ब (रजी.)के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका मार्केट में स्थित प्रेस क्लब के कार्यालय पर मनाया जायेगा। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संयुक्त कार्यक्रम का संयोजक /वरिष्ठ पत्रकार डा. महताब अमरोहवी ने बताया कि पूर्व में यह कार्यक्रम नायाब अब्बासी डिग्री कालिज के विशाल सभागार में होना प्रस्तावित था परन्तु 29,30,31 मई को महाविद्यालय में विश्विद्यालय की सत्र परीक्षाएँ चल रही हैं तथा इस कार्यक्रम में कई बड़े समाजसेवियों राजनेताओं व पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया जाना था। बड़ा कार्यक्रम सेमिनार जून के तीसरे चौथे सप्ताह में आयोजित किया जाएगा।अब पुलिस प्रशासन तथा मीडिया के संबंधों पर गोष्ठी का आयोजन 30/5/2025 (शुक्रवार) प्रातः 9 नो बजे नगर पालिका मार्केट अमरोहा स्थित अमरोहा प्रेस क्लब कार्यालय में किया जाएगा । जनपद के सभी पत्रकार साथी समय पर वहा पहुँच कर अपने सुझावों और विचारों से अवगत करें। समय का विशेष ध्यान रखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें। इमरान अहमद 94577 38855, डा. महताब अमरोहवी कार्यक्रम संयोजक -9412512750

पच्चीस हजार का इनामी आरोपी व एक अन्य गिरफ्तार

» सब का सपना

बहजोई/संभल: पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के निर्देश एवं क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार सिद्ध के नेतृत्व में जनपद में कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण हेतु चलाये गये अभियान के तहत बुद्धवार को समय 03.30 बजे निरीक्षक अपराध अजीत सिंह, उ0नि0 कपिल कुमार व हमराह पुलिस बल के मुखबिर की सूचना पर थाना बहजोई एक जोडी कान के टाप्स पीली धातु सहित ढकारी की तरफ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपीयो द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ दि० 8 ,9 मार्च 2024 को शिवरात्री के दिन रात्री के समय करीब 12.50 बजे ग्राम चौपा शोभापुर के रहने को एक अदद तमंचा 315 बोर 02 जिंदा कारतूस 315 बोर, 01 अदद तमंचा 12 बोर मय 02 जिन्दा कार0 12 बोर, 02 अदद चैन पीली धातु, 01 अदद गले का हार पीली धातु व वाले सतेन्द्र राघव पुत्र मनोज कुमार राघव निवासी ग्राम चोपा शोभापुर थाना बहजोई जिला सम्भल के घर कुछ अज्ञात बदमाशो द्वारा डकैती की गयी। जिसके सम्बन्ध में थाना बहजोई जनपद सम्भल पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना नि०अ० पुष्पेन्द्र सिंह चौहान द्वारा ग्रहण कर सम्पादित की गयी। मुकदमे में विवेचना से प्रकाश में आये आरोपियों को 01. धर्मपाल यादव पुत्र स्व० रामगुलाम यादव नि० मौहल्ला कमला विहार के पीछे भवानीपुर थाना चन्दौसी जनपद सम्भल 02. शानू उर्फ राइन पुत्र साबिर नि० ग्राम पाठकपुर थाना बहजोई जनपद सम्भल 03. अब्दुल रहमान उर्फ दुल्ला पुत्र इकरार नि० बाबरपुर थाना चांदपुर जनपद बिजनौर 04. सौरभ उर्फ सिम्भा पुत्र छोटे लाल नि० मौहल्ला संजय नगर सरकारी स्कूल के पास मेरठ थाना सिविल लाईन जिला मेरठ को मय लूट के माल के साथ 15 मार्च 2024 को समय करीब 23.15 बजे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। बुधवार को मुकदमें में मफरूर अन्य अपराधीगण 01. करन पुत्र रोहताश निवासी ग्राम कोटकादर थाना नगीना देहात जनपद बिजनौर (25 हजार ईनामी) 02. गुरदीप उर्फ छिन्दर पुत्र करनैल सिंह उर्फ जड्डू सिंह निवासी ग्राम नागल पिलखड़ी रिटावत थाना अकबरपुर जिला अलवर राजस्थान को को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है

जनसुनवाई के दौरान आई शिकायतों का निस्तारण गंभीरता से करें: मनीषा अहलावत

» सब का सपना

हापुड: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्य मनीषा अहलावत की अध्यक्षता में तहसील धौलाना सभागार कक्ष में जनसुनवाई के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद में हिंसा से पीड़ित 15 महिलाओं की जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान पारिवारिक विवाद ,दहेज उत्पीड़न, मारपीट संबंधित, महिलाओं के केस आए जिनका राज्य महिला आयोग सदस्य द्वारा संबंधित थानों के प्रभारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में जनपद के उप जिलाधिकारी, धौलाना क्षेत्राधिकार पिलखुवा, प्रतिनिधि मुख्य चिकित्साधिकारी, महिला थाना प्रभारी, प्रतिनिधि जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, के साथ समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई कार्यक्रम के पश्चात सदस्य द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय धौलाना का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें विद्यालय में साफ – सफाई का विशेष ध्यान रखने हेतु निर्देशित किया। तत्पश्चात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौलाना का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केदो में पर्याप्त मात्रा में दवाइयां की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल साफ –सफाई एवं मरीज की सही से देखभाल करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी के साथ जिला प्रोवेशन कार्यालय से पंकज यादव कनिष्ठ सहायक,अमित संरक्षण अधिकारी, सोनिया प्रभारी वन स्टॉप सेंटर के साथ अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाजसेवियों द्वारा किया गया ठण्डा शरबत वितरण

» सब का सपना

सम्भल: समाजसेवियों ने नागरिकों व राहगीरों के लिए ठण्डे शरबत का इंतेज़ाम किया। मई के आखिरी सप्ताह में पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को दिन काटना मुश्किल हो रहा है। वही

उपनगरी सराय तरीन मुहल्ला कोंजड़ान में समाजसेवियों ने शरबत वितरण कर राहगीरों तथा रिक्शा चालक और ठेले वालो को मीठा और ठंडा शर्बत पिलाकर चिलचिलाती धूप, गर्मी से राहत पहुंचाने का काम किया। ठंडा शर्बत पीकर लोगों को काफी हद तक चिलचिलाती गर्मी से सुकून मिला। अबूज़र हनीफ ने कहा कि लोगों को गर्म हवाओं के थपेड़े का सामना करना पड़ रहा है। दिन भर निकलने वाली चिलचिलाती धूप से लोग परेशान हैं।

दोपहरी में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। अल्तमश ने कहा कि समाजसेवियों को चाहिए कि वह अपने स्तर से पर गली, मोहल्ले, चौराहों पर लोगों और राहगीरों के लिए शरबत और पानी का इंतज़ाम करते रहे। नाज़िश नसीर ने कहा कि हर इंसान को इंसानियत के नाते ऐसे कार्य अपनी हैसियत के अनुसार करते रहना चाहिए। ताकि लोगों को इस चिलचिलाती धूप में गर्मी से राहत मिल सके। इस तरह के आयोजन से हर व्यक्ति के अंदर खिदमत करने का जज़्बा पैदा होता है। गर्मी में ठंडे शरबत पिलाने वाले समाजसेवियों के काम की सभी ने सराहना की। इस अवसर पर मुहम्मद साकिब , मुहम्मद अल्तमश , मुहम्मद रिहान, टेलर नाज़िश, मुज़फ़्फ़र खां, शाहनवाज़ मलिक, मुहम्मद शुऐब, मुहम्मद जुनैद, मुहम्मद फैज़ान, रहबर आदिल, आमिर कामिल,मुहम्मद रहमान , मुहम्मद अली अबूज़र हनीफ, मुहम्मद शारिक आदि शामिल रहे।

जनपद में 29 मई से 12 जून के मध्य चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों के साथ वैठक कर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दिये दिशा निर्देश

» सब का सपना

अमरोहा: जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि विभाग द्वारा 29 मई 2025 से प्रारंभ होकर 12 जून 2025 के मध्य आयोजित होने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग तैयारी कर लें कोई लापरवाही न हो। कहा कि सभी विभाग अपने महत्वपूर्ण बिंदु बना लें किन किन टॉपिक में बात करनी है उन्ही पर जानकरी दें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती के बारे में भलीभांति जानकारी दि जाए। केमिकल और पेस्टीसाइड लगाने पर क्यों आपके उत्पाद को विदेश में रिजेक्ट कर दिया जाता है इस पर परिवर्तन लायें यह भी किसानो को बताया जाए। कहा उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने मेंटेन करने पर बताया जाय उनका ध्यान प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर मोड़ा जाए किसानो को प्रेरित करें। उन्नतिशील प्रजातियों को बताने पर ज्यादा ध्यान दिया जाए। इस प्रकार कार्य करें कि आउट पुट निकले। किसानों को जगरुक किया जाए। वैज्ञनिक सही ढंग से किसानो को सभी एक्टिविटी के बारे में बताएं किसानो को समझाएं। उन्नतशील सफल किसानों को भी बताकर प्रेरित किया जाए । जिलाधिकारी ने कहा कि पेस्टीसाइड और उर्वरक का कम प्रयोग हो किसानों पर फोकस करें और मोटिवेट कर परिवर्तन लाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को उनके लिए उपयोगी विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा नीतियों

के बारे में जागरूक किया जाए । कहा कि किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में सुझाई के विभिन्न फसलों के चयन तथा संतुलित खादों के प्रयोग के बारे में जागरूक एवं प्रशिक्षित किया जाए। फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकियों एवं उन्नत कृषि पद्धतियों के बारे में किसानों को बताया जाए । कहा कि चलने वाले इस विकसित कृषि संकल्प अभियान को प्रभावित तरीके से सभी संबंधित अधिकारी गंभीरता से लेकर कार्य करेंगे किसी भी स्तर पर लापरवाही ना हो यह सुनिश्चित हो। कृषि वैज्ञानिक अलग-अलग जगह पर प्रतिदिन होने वाली एक्टिविटी में प्रतिभाग करेंगे और प्रभावी तरीके से किसानों को जागरूक करेंगे। किसानों को प्राकृतिक खेती एवं जैविक उर्वरक जैविक कीटनाशको के प्रयोग पर विधिवत कार्यक्रम आयोजित कर बताया जाए। किसानों को बीज उपचार जैव उर्वरकों का प्रयोग उन्नत कृषिपद्धतियां आईपीएम उन्नत सिंचाई पद्धतियां आदि के बारे में किसान गोष्ठी आयोजित कर बताया जाए जिसमें प्रगतिशील किसान कृषि वैज्ञानिक कृषि विभाग से जुड़े कृषि प्रसार कार्यकर्ता शासन द्वारा मुख्य योजनाओं के बारे में विधिवत जानकारी उपलब्ध कराई जाए। विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के संबंध में जानकारी देते हुए उपनिदेशक कृषि राम प्रवेश ने कहा कि इसके लिए तीन टीम लगाई गई हैं प्रत्येक टीम तीन-तीन ग्रामों में प्रतिदिन कार्यक्रम करेंगे इस प्रकार 09 ग्रामों में प्रत्येक टीम काम करेगी और 15 दिन में 135 ग्रामों को कर करेगी। आगे कहा कि न्याय पंचायत कृषि कल्याण केंद्र, समितियों विकासखंड परिसर व अन्य उपयुक्त स्थल पर प्रतिदिन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में कृषकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र उपनिदेशक कृषि राम प्रवेश मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहायक निदेशक मत्स्य सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

हाथरस में दो नाबालिग लड़कियों की हत्या के दोषियों को मौत की सजा

हाथरस(एजेंसी) उत्तर प्रदेश में हाथरस की एक विशेष अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी/एसटी) अदालत ने बुधवार को दो नाबालिग लड़कियों की हत्या के दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने यह जानकारी दी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार एससी/एसटी अदालत के विशेष न्यायाधीश आर पी सिंह ने बुधवार को मामले के दो अभियुक्तों विकास और लालू पाल को दोषी करार देते हुए उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

दोषी ठहराए गए दोनों आरोपियों को 22-23 जनवरी, 2025 की रात शहर के आशीर्वाद धाम कॉलोनी में दो नाबालिग लड़कियों की नृशंस हत्या और उनके माता-पिता पर जानलेवा हमला करने के लिए अदालत ने मौत की सज़ा सुनाई।

अदालत ने दोनों आरोपियों को स्कूल शिक्षक छोटेलाल गौतम की बेटियों 12 वर्षीय सृष्टि और छह वर्षीय विधि की हत्या का दोषी ठहराया। मृतक लड़कियों की मां, वीरांगना उर्फ़ गौरी ने अदालत के फैसले पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे न्याय की दिशा में एक कदम बताया। यह घटना तब हुई जब जवाहर

स्मारक इंटर कॉलेज के शिक्षक छोटेलाल गौतम और उनकी पत्नी पर जानलेवा हमला किया गया और उनकी दो बेटियों की गला रेतकर हत्या कर दी गई। हमले में छोटेलाल और उसकी पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

छोटेलाल की पत्नी वीरांगना की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। 23-24 जनवरी की दरमियानी रात को नगर कोतवाली पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने पापरी गांव के पास मुठभेड़ में विकास और लालू पाल को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि विकास छोटेलाल का चचेरा भाई था और हमले की रात वह अपने साथी लालू पाल के साथ उसके घर पर ही रुका था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या की साजिश छोटेलाल के दुबई में रहने वाले सगे भतीजे सोनेलाल ने रची थी, जिसने कथित तौर पर छोटेलाल की संपत्ति हड़पने के लिए परिवार को खत्म करने के लिए दोनों आरोपियों को भाड़े पर लिया था। सोनेलाल ने कथित तौर पर हमलावरों से कहा था कि चूंकि उसके चाचा के कोई बेटा नहीं है, इसलिए पूरे परिवार को खत्म करने से वह संपत्ति का एकमात्र वारिस बन जाएगा।

शासकीय अधिवक्ता दिनेश यादव ने कहा कि आरोपियों ने दोनों लड़कियों की चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी और अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद विकास और लालू पाल दोनों को मौत की सजा सुनाई। छोटेलाल के वकील यज्ञ गौतम ने भी दावा किया कि हत्याएं सोनेलाल के इशारे पर की गई थीं, जिसने अपराध को अंजाम देने के लिए आरोपियों को पैसे दिए थे।

इस बीच, मारी गई लड़कियों की मां ने अदालत के फैसले का स्वागत किया, लेकिन मांग की कि मास्टरमाइंड सोनेलाल को भी मौत की सजा दी जाए।

बलिया में नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

बलिया (एजेंसी) बलिया जिले में एक हिंदू नाबालिग छात्रा का अपहरण करने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने बुधवार को दूसरे समुदाय के एक शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार जिले के बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 15 वर्षीय छात्रा अपने गांव में स्थित सर्वोदय पब्लिक स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती थी। इस स्कूल का शिक्षक मोहम्मद सलाउद्दीन (26) छात्रा को ट्यूशन भी पढ़ाता था। पीड़िता गत 21 मई को कोचिंग संस्थान में पढ़ने जा रही थी कि तभी मोहम्मद सलाउद्दीन ने उसका अपहरण कर लिया और उसे लेकर फरार हो गया।

इस मामले में पीड़िता के पिता की तहरीर पर शिक्षक मोहम्मद सलाउद्दीन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने बस्ती जिले से बुधवार को छात्रा को मुक्त करा लिया तथा आरोपी मोहम्मद सलाउद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने कहा कि छात्रा के बयान के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 (दुष्कर्म) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराएं भी जोड़ी गई हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया है।

मुस्कान गुप्ता का वैश्य एकता मंच ने किया सम्मान

» हनी चन्द्रा/ सब का सपना

चंदौसी/सम्भल: जेईई मेन्स परीक्षा भारत में इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक प्रवेश परीक्षा है। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाती है नगर क्षेत्र चंदौसी के ब्रह्म बाजार निवासी हरीश कुमार गुप्ता की बेटी मुस्कान गुप्ता द्वारा JEE mains 2025 की परीक्षा में 34,000 वी रैंक हासिल की है, जिससे पूरे वैश्य समाज में खुशी की लहर है जिसके उपलक्ष्य में आज वैश्य एकता मंच, चंदौसी सम्भल द्वारा हरीश कुमार जी के आवास पहुंचकर उनकी बेटी मुस्कान को मिठाई खिलाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस मौके पर वैश्य एकता मंच के अध्यक्ष लवित वार्ष्णेय द्वारा कहा गया कि वैश्य एकता मंच द्वारा वैश्य समाज के मेधावी छात्र/ छात्राओं का समय समय पर हौसला अफजाई किया जाएगा। इस मौके पर वैश्य एकता मंच के संरक्षक श्री भुवनेश वार्ष्णेय, महामंत्री आकाश वार्ष्णेय, तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल, उपाध्यक्ष दीपेश वार्ष्णेय, चिराग फैंसी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

सफाई इंस्पेक्टर पर पार्षद ने लगाये गंभीर आरोप

फर्जी बिल लगाकर डीजल घोटाला करने का भी लगाया आरोप

» सब का सपना

ललितपुर: नगर पालिका परिषद में तीन पटल संभाल रहे सफाई इंस्पेक्टर पर शासकीय कार्य में रूचि न लेने, फर्जी बिल लगाकर डीजल के रुपयों में घोटाला करने और कार्यालय से नदारत रहते हुये सफाई कर्मियों से सफाई के अलावा अन्य कार्य लिये जाने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुये वार्ड नं. 15 के पार्षद मनमोहन चौबे एड. ने एक शिकायती पत्र जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी को सौंपा है।

डीएम को सौंपे शिकायती पत्र में पार्षद मनमोहन चौबे एड. ने बताया कि नगर पालिका परिषद में तैनात सफाई इंस्पेक्टर राजेश जैन के पास वर्तमान में तीन पटल हैं, जिनमें वह टी.एस., कार्यालय अधीक्षक और सफाई इंस्पेक्टर जैसे कार्य देख रहे हैं। आरोप है कि नगर पालिका परिषद में नामांतरण के लिए लोग महीनों से परेशान हो रहे हैं, लेकिन टी.एस. राजेश जैन अपने कार्यालय में नहीं बैठते, जिससे आम आदमी परेशान है।

बड़ा आरोप है कि सफाई में भी इनके द्वारा फर्जी बिल लगाकर डीजल घोटाले को अंजाम दिया जा रहा है। सफाई के नाम पर तैनात कर्मचारियों की जगह दूसरे लोगों से काम कराकर लाखों रुपया का घोटाले को अंजाम दिया जा रहा है। पार्षद ने जिलाधिकारी से सफाई इंस्पेक्टर जैसे महत्वपूर्ण पटल वापस लेकर शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त कराये जाने की मांग उठायी है।

प्रोबेशन व प्रभारी अधीक्षक ने नहीं किया निर्देशों का पालन

सम्प्रेक्षण गृह किशोर में गर्मी से बुरा हाल, न्यायिक अधिकारियों के निरीक्षण में खुली पोल

» सब का सपना

ललितपुर: जिला जज/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेन्द्र कुमार झा के निर्देशानुसार एडीजे (द.प्र.क्षे.) यशवन्त कुमार सरोज व सचिव मयंक जायसवाल ने एसडीएम सदर चन्द्रभूषण प्रताप सिंह और सीओ सिटी अजय कुमार के साथ राजकीय सम्प्रेक्षण गृह नेहरूनगर का निरीक्षण किया। एडीजे ने विजिट के दौरान सम्प्रेक्षण गृह में किशोर कक्ष, पाठशाला कक्ष, भोजन-शाला का निरीक्षण किया। भोजनशाला में साफ-सफाई की व्यवस्था सामान्य पायी गयी। सुबह का भोजन बन रहा था, जो मेन्यू के अनुसार नहीं दिया जा रहा है। अपचारी किशोरों के कमरो में लाइट की व्यवस्था नहीं थी। किशोरों का गर्मी से बुरा हाल था, पूर्व में

सम्प्रेक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को लिखित रूप में निर्देशित किया गया परन्तु उक्त के द्वारा निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

इनके द्वारा संस्थान में अव्यवस्था को दुरूस्त न करने के संदर्भ में माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद को अग्रेतर कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया जा रहा है। तत्पश्चात एडीजे (द.प्र.क्षे.) यशवन्त कुमार सरोज, सचिव मयंक जायसवाल ने ग्राम दैलवारा स्थित राजकीय बाल गृह का निरीक्षण किया। यहां बालक कक्ष, पाठशाला कक्ष, भोजन-शाला का निरीक्षण किया। भोजनशाला में साफ-सफाई की व्यवस्था सामान्य पायी गयी।

विजिट के दौरान दोनों संस्थानों के प्रभारी अधीक्षक, स्टाफ आदि एवं न्यायालय से रोहित राठौर, विकास कुशवाहा, पंकज गनर, राहुल उपस्थित रहे।

कार्बन न्यूट्रल एवं ओएसआर पर प्रधान एवं सचिव का 01 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

» सब का सपना

हापुड़ : उपनिदेशक (पंचायत), मेरठ मंडल, मेरठ के कुशल निर्देशन में जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी), हापुड़ पर आयोजित प्रशिक्षण राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के अंतर्गत कार्बन न्यूट्रल एवं ओएसआर पर प्रधान एवं सचिव का 01 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनपद गौतमबुद्धनगर एवं हापुड़ के समस्त प्रतिभागियों को *कार्बन न्यूट्रल एवं स्वयं के आय के स्रोत (ओ एस आर) के विषयों पर मास्टर ट्रेनर सुशील कुमार शर्मा, पिंकी शर्मा एवं डॉ दीपक सिंह,वरिष्ठ फैकल्टी/सहप्रबंधक,डीपीआरसी,

हापुड़ द्वारा विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक व वरिष्ठ फैकेल्टी उपस्थित रहे I कार्बन न्यूट्रल पर जानकारी देते हुए कहा कि अपने ग्राम पंचायत को हमें स्वच्छ सुंदर एवं कार्बन रहित ग्राम पंचायत बनाना है जिसके लिए पेड़ लगाना, प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना,नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का उपयोग आदि विषयों की जानकारी दिया गया I

प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों द्वारा सत्र के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया I इस प्रकार जनपद बुलंदशहर, हापुड़ एवं गौतमबुद्धनगर के प्रधानों एवं सचिवों का कार्बन न्यूट्रल एवं ओएसआर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन किया गया I

तालाब में तैरता हुआ शव मिलने से मचा हडकंप

» सब का सपना

महरौनी/ललितपुर: नगर क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब तालाब में एक शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। कल शाम लगभग 5 बजे तालाब के किनारे स्थित मकान की छत पर बच्चे खेल रहे थे, तभी उनकी नज़र तालाब में उतराते शव पर पडी तो उन्होंने अपने दादाजी को बताया कि कोई तालाब में कोई डला है उन्होंने तालाब की ओर देखा तो एक शव तैरता नजर आया, मुहल्लेवासियों ने तुरंत कोतवाली महरौनी सूचना दी।

सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और देखा तालाब में पानी के किनारे एक शव तैर रहा है। शव को बाहर निकाल कर उसकी तलाशी ली तो कोई पहचान या मोबाइल नहीं मिला, सिर्फ जेब में 70 रूपए मिले। शव की शिनाख्त की

कोशिश की गयी लेकिन पता नहीं चल सका, युवक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच बतायी जा रही है। काला पेंट और चेक की शर्ट पहने हुए है। शव की स्थिति देखकर अनुमान लगाया जा रहा है । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है।शाम होते होते शव की शिनाख्त कर ली गयी युवक पुराना सौजना मुहल्ला निवासी हरिराम धानक के रूप में हुई ।

एसडीओ आर.पी. सिंह के नेतृत्व में चला बिधुत चेकिंग अभियान

» सब का सपना

ललितपुर: महरौनी बिधुत उपखण्ड के अंतर्गत ग्राम बानपुर में बिजली विभाग के द्वारा तीन दिवसीय चेकिंग अभियान के आज दूसरे दिन बकाया दरो के अधिक से अधिक कनेक्शन काटे गए।

इस दौरान 56 उपभोक्ताओं के द्वारा 1.40 लाख राजस्व वसूल किया गया और बडे बकायादारो के 15 मीटर निकाले गये।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी आरपी सिंह, अवर अभियंता बानपुर मनीष कुमार, अवर अभियंता महरौनी हर प्रसाद चौधरी एवं राहुल चौधरी TG2, अनिल सिंह कुशल श्रमिक, अजय सिंह , देवेंद्र पटेल, महेश रजक, संजय पटेल, बृजभान पटेल, के.के. झा राममिलन .विजय गौर, अमर सिंह, आलोक यादव, सुनील परिहार, मुकेश विश्वकर्मा आदि संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

मिशन वात्सल्य के अन्तर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

» सब का सपना

संभल: जिलाधिकारी के दिशा निर्देशों के क्रम में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक खण्ड विकास अधिकारी श्री ओंकार सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्ड पंवासा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालकों को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुव्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। बाल विकास परियोजना अधिकारी नीता सैनी द्वारा

किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुड़ी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियमित समीक्षा हेतु कहा गया। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपाल यादव ने बालकों के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुये इन योजनाओ के अन्तर्गत पात्र बालको को नियमानुसार लाभान्वित करने हेतु कहा गया। 1098, 181, 112, 1076, 108, 102 आदि हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत रूप मे बताते इन्हे सभी को प्रयोग हेतु कहा गया। बैठक में सहायक विकास अधिकारी अशोक कुमार त्यागी, स्वास्थ्य विभाग से डा. फात्मा, शिक्षा विभाग से नेमपाल सिंह, पुलिस विभाग से एसआई विकास निरवाल एवं मुल्की सिंह सागर आदि उपस्थित रहे।

पावर कंपनी से मिला बड़ा ठेका शेयर खरीदने की मच गई होड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज करीबन 10 प्रतिशत तक चढ़कर 510 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी ने कहा कि उसे तेलंगाना पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड से 204.2 करोड़ की लागत से बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए ठेका मिला है।

कंपनी ने क्या कहा- कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार, बोंडाडा इंजीनियरिंग तेलंगाना में मांग पर उपयोग के लिए 100 मेगावाट घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज प्रणाली स्थापित करेगी, जो कि टैरिफ आधारित वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली के तहत व्यवहार्यता अंतर निधि के साथ शंकरपल्ली में ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ तेलंगाना सरकार के 400/220 केवी सबस्टेशन के पास बिल्ड ओन ऑपरेट (क्ष्ह्ह) के तहत होगी। यह ऑर्डर बिजली खरीद समझौते के एग्जिक्यूशन से 18 महीने के भीतर पूरा किया जाना है। कंपनी ने कहा कि ऑर्डर के लिए व्यापक विचार 12 वर्षों के लिए 204.2 करोड़ होगा।

लगातार मिल रहे ऑर्डर- पिछले सप्ताह कंपनी ने कहा था कि उसे आंध्र प्रदेश सरकार से राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर एक ऐतिहासिक सोलर एनर्जी परियोजना के आवंटन के लिए 9,000 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने कहा कि परियोजना का आवंटन इस बात को सुनिश्चित करने के अधीन है कि अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अन्य डेवलपर्स को पहले से आवंटित क्षेत्रों या पवन संसाधन मूल्यांकन अध्ययनों के साथ कोई ओवरलैप नहीं होगा। इस परियोजना को 24 महीनों के भीतर लागू किया जाना चाहिए।

बहुत-से ऐसे भाव होते हैं जो साफ़ नहीं होते: महेश शेट्टी

मुंबई। महेश शेट्ट ने कहा कि 'कानखजूरा' जैसे शो में अपराधबोध और पारिवारिक रहस्यों जैसे गंभीर विषयों से जुड़ना एक भावनात्मक अनुभव रहा होगा। क्या इस मानसिक स्थिति में बने रहना मुश्किल था, या फिर शॉट्स के बीच आप खुद को उससे अलग कर पाते थे हर परिवार और हर रिश्ते में अच्छाई-बुराई के साथ-साथ बहुत-से ऐसे भाव होते हैं जो साफ़ नहीं होते, और यही हमें इंसान बनाते हैं। 'कानखजूरा' ने इन्हीं परतों को गहराई से छुआ है और बहुत वास्तविक तरीके से पेश किया है, जिससे उस भावनात्मक ज़ोन में जाना मेरे लिए आसान हो गया।जहां तक दृश्यों के बीच खुद को उस भाव से बाहर निकालने की बात है, तो मुझे लगता है ये एक अभिनेता की दिनचर्या का हिस्सा होता है।

शक्ति पम्पस् ने मनाया 'फाउंडर्स डे', शक्ति कोड ऑफ़ कंडक्ट जारी किया

इंदौर, एजेंसी। शक्ति पम्पस् इंडिया लिमिटेड ने (25 मई को) अपने संस्थापक, स्वर्गीय श्री मनोहर लाल जी पाटीदार के जन्मदिन के उपलक्ष्य में फाउंडर्स डे का आयोजन किया। यह दिन उनके असाधारण समर्पण, दूरदर्शिता और सफलता को याद करने और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की प्रेरणा लेने के लिए समर्पित था।

इस अवसर पर, शक्ति पंप्स इंडिया लिमिटेड के साथ-साथ सभी अनुषंगी कंपनियों के डायरेक्टर्स, समस्त टीम मेंबर्स और उनके परिवार के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यह समारोह न केवल श्री पाटीदार के जीवन और कार्य को श्रद्धांजलि देने का माध्यम था, बल्कि यह कंपनी की एकता, सामूहिक भावना और भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता था। फाउंडर्स डे का यह आयोजन टीम के सदस्यों के लिए एक साथ आने, एक-दूसरे के साथ जुड़ने और कंपनी के मूल मूल्यों को फिर से आत्मसात करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम में शक्ति परिवार के 3000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

शक्ति पम्पस इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री दिनेश पाटीदार ने कर्मचारियों और उनके परिवारों से बातचीत में श्री मनोहर लाल जी पाटीदार के शुरुआती प्रयासों, उनके दूरदर्शी विचारों और कैसे उन्होंने एक छोटे से सपने को एक सफल उद्यम में बदल दिया, इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कंपनी की कोर वैल्यूस - सीखने का जुनून रखे, व्यक्ति का सम्मान करें, सिस्टम एवं कार्यविधि का सम्मान करें, श्रेष्ठता के लिये प्रयासरत रहें, ग्राहक केंद्रित रहें, ईमानदार एवं नैतिक रहें, को दोहराया।

श्री पाटीदार ने कहा कि शक्ति पम्पस नाम के इस पौधे ने आज एक वटवृक्ष बनकर कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे न केवल कंपनी को बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ हुआ है। इसी के अगले क्रम में हम सोलर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से जुड़े उत्पादों में भविष्य देख रहे हैं। श्री दिनेश पाटीदार ने सभी उपस्थित लोगों को उनके स्वास्थ्य, प्रसन्नता और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

फंड जुटाने की तैयारी में वोडाफोन-आइडिया, 30 मई को बैठक, 7 से भी कम शेयर की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया का निदेशक मंडल 30 मई की बैठक में फंड जुटाने के विकल्पों पर विचार करेगा। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि इस बैठक में निदेशक मंडल कंपनी के वित्तीय नतीजों की मंजूरी पर भी विचार करेगा। घाटे में चल रही इस कंपनी ने सरकार से वित्तीय सहायता मिलने के बावजूद नकदी की कमी के कारण चालू वित्त वर्ष के बाद अपने अस्तित्व को लेकर आशंका जताई है। वोडाफोन-आइडिया ने कहा कि इस बैठक में राइट्स इश्यू, पब्लिक इश्यू या प्राइवेट अलॉटमेंट के जरिये एक या एक से अधिक चरणों में कोष जुटाने के प्रस्तावों पर विचार और उनका मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में ऋण बॉन्ड सहित किसी अन्य स्वीकार्य तरीके से कोष जुटाने के प्रस्ताव का भी मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में फंड जुटाने के प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए असाधारण आम बैठक आयोजित करने पर भी फैसला होगा। वोडाफोन-आइडिया के शेयर की बात करें तो यह 7 रुपये के नीचे है। पिछली क्लोजिंग 6.94 रुपये के मुकाबले शेयर 6.96 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 7 रुपये के पार भी गया था। 9 मई 2025 को यह शेयर 6.46 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में आर्थिक संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने दूरसंचार विभाग से कहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर सरकार से समय पर समर्थन न मिलने की स्थिति में वह वित्त वर्ष 2025-26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी। वोडाफोन आइडिया में सबसे अधिक 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकार के पास है। स्पेक्ट्रम शुल्क और एजीआर बकाया को इक्विटी हिस्सेदारी में बदले जाने से सरकार इस कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है।

सरकारी कंपनी बन जाएगी आईटीसी?

सबसे बड़ा शेयरहोल्डर बेच रहा हिस्सेदारी, सस्ते में मिल रहा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरहोल्डर्स के लिए जरूरी खबर है। आईटीसी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है। बीएटी दुनिया भर में सिगरेट और तम्बाकू के प्रोडक्ट बनाती है। वहीं आईटीसी सिगरेट के साथ-साथ खाने-पीने का सामान भी बनाती है। बीएटी अब आईटीसी में लगभग 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 11,600 करोड़ रुपये (.1.4 बिलियन) से ज्यादा जुटाना चाहती है। पिछले साल मार्च में भी बीएटी ने आईटीसी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर लगभग 17,500 करोड़ रुपये (2.1 बिलियन) कमाए थे। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉक डील में से एक थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बार हिस्सेदारी बेचने के बाद आईटीसी में बीएटी की हिस्सेदारी 25.4 प्रतिशत से घटकर 23.1 प्रतिशत रह जाएगी। बीएटी का कहना है कि इस हिस्सेदारी की बिक्री से उसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। इन पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने कारोबार को बदलने, कर्ज कम करने और शेयरहोल्डर्स को अच्छा रिटर्न देने के लिए करेगी। बीएटी के चीफ एग्जीक्यूटिव टेडेउ मारोको ने एक बयान में कहा कि हम आईटीसी को अपने ग्लोबल कारोबार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। हम भारत में बिजनेस के मौकों पर आईटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका मतलब है कि बीएटी अभी भी आईटीसी को एक महत्वपूर्ण कंपनी मानती है और भारत में उसके साथ मिलकर काम करना चाहती है।

कितने में मिल रहा है शेयर

बीएटी की सहायक कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) आईटीसी के 290 मिलियन शेयर बेच रही है। यह आईटीसी की कुल शेयरहोल्डिंग का लगभग 2.3 प्रतिशत है। यह बिक्री भारतीय शेयर बाजारों में होगी। इस डील को गोल्डमैन सैश और सिटीग्रुप मैनेज कर रही हैं। यह पूरी तरह से सेकेंडरी सेल है। इसका मतलब है कि कंपनी नए शेयर जारी नहीं कर रही है, बल्कि अपने पुराने शेयर बेच रही है।

शेयरों की कीमत 400 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह आईटीसी के 27 मई के बंद भाव 433.9 रुपये से 7.8 प्रतिशत कम है। इस डील का साइज लगभग 11,613 करोड़ रुपये (लगभग .1.4 बिलियन) है। जो निवेशक ये शेयर खरीदेंगे उन्हें हाल ही में घोषित 7.9 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड नहीं मिलेगा क्योंकि स्टॉक 28 मई को एक्स-डिविडेंड हो जाएगा और ञ्ज+1 सेटलमेंट साइकिल पर काम करता है। ञ्ज+1 का मतलब है कि शेयर खरीदने के एक दिन बाद ही आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे।

सरकार की हिस्सेदारी

पहले बीएटी ने कहा था कि आईटीसी में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखना उसके लिए जरूरी है क्योंकि इससे उसे बोर्ड में वीटो का अधिकार मिलता है और वह कंपनी के फैसलों को प्रभावित कर सकती है। वीटो का अधिकार होने से बीएटी किसी भी फैसले को रोक सकती है। मंगलवार को बीएटी ने कहा कि इस बिक्री से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल 2026 के अंत तक अपने कर्ज को कम करने और शेयर बायबैक प्रोग्राम को जारी रखने के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने 2025 में शेयर बायबैक के लिए 200 मिलियन पाउंड बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे कुल बायबैक 1.1 बिलियन पाउंड हो जाएगा। इस साल की शुरुआत में आईटीसी के होटल कारोबार को अलग कर दिया गया था और एक नई कंपनी बनाई गई थी। इस कंपनी के शेयर आईटीसी के शेयरहोल्डर्स को दिए गए थे। बीएटी ने पहले ही होटल कारोबार से बाहर निकलने का इरादा जाहिर कर दिया है।

गिग वर्कर्स को मिलेगी पेंशन, लेकिन कंपनियों का पैसा कहां से कटेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए कंपनियों के अंशदान का नियम तय होगा। कंपनियां मान तो रही हैं कि वे हर महीने पेंशन में पैसा देंगी, लेकिन अभी ये सवाल बना हुआ है कि ये पैसा कंपनी के मुनाफे से लिया जाएगा या फिर उसके कुल कारोबार (टर्नओवर) से। दरअसल, सामाजिक सुरक्षा कानून 2020 के मुताबिक, कंपनियों को अपने सीएसआर फंड में 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक योगदान देना होता है। अब इसी पैसे को गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

सरकारी सूत्रों की मानें तो मंत्रालय मुनाफे के आधार पर अंशदान लेने के पक्ष में नहीं है। उन्हें डर है कि अगर कंपनियों की ऑडिट रिपोर्ट या बैलेंस शीट देखकर पैसा तय किया गया, तो ये व्यवस्था ठीक से काम नहीं करेगी। इसलिए ज्यादा चांस है कि अंशदान कंपनी के टर्नओवर के हिसाब से तय होगा। जैसे ही ये नियम फाइनल होगा, प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उसके बाद ही पेंशन योजना शुरू हो पाएगी।

गिग वर्कर्स की हालत पर चौंकाने वाले आंकड़े : नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि 2020-21 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे। 2030 तक ये संख्या बढ़कर 2.35 करोड़ (यानी ढाई करोड़) होने का अनुमान है। इनमें से 85 प्रतिशत वर्कर्स की उम्र 30 से 50 साल के बीच है।

पहले के मुकाबले अब गिग वर्कर्स की महीने की कमाई घटी है। लोन, वाहन की मरम्मत और पेट्रोल-डीजल के खर्चे काटने के बाद उनकी औसत आय 15,000 से 20,000 रुपये रह गई है।

भारत में बिजनस करने आ रहा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान, अंबानी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक भारत में म्युचुअल फंड बिजनस में उतरने की तैयारी में है। जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को भारत में म्यूचुअल फंड बिजनस के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी की मंजूरी मिल गई है। यह कंपनी जियो फाइनेंस सर्विसेस लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का सयुंक्त उद्यम है। उम्मीद की जा रही है कि अब जल्द ही कंपनी भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रखेगी। सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक ने कंपनी का एमडी और सीईओ बनाया गया है।

जेएफएसएल की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन। ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। साथ मिलकर हम हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि आज भारत में एसेट मैनेजमेंट एक खास मुकाम पर खड़ा है। जियोब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा। अपने साझेदार छ्वस्नस्रु के साथ हम भारत को बचतकर्ताओं के देश की छवि से निकाल कर निवेशकों का देश बनाने में योगदान देने को तैयार हैं। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इक्विटी के पूर्व प्रमुख रहे सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक की जिम्मेदारी मिली है। वह 1.25 ट्रिलियन डॉलर के एसेट मैनेज कर चुके हैं।

मिआ बाए तनिष्क की आकर्षक ऑफर्स के साथ जॉय ऑफ़ गिफ्टिंग के इस सीज़न में हर पड़ाव को स्टाइल में मनाएं

शादी हो या ग्रेजुएशन - हर पल को चमकदार बनाएं

मुंबई एजेंसी। भारत का एक अग्रणी फाइन ज्वेलरी ब्रांड मिआ बाए तनिष्क ने वेडिंग सीज़न और ग्रेजुएशन सेलिब्रेशन के लिए शुरू किया है जॉय ऑफ गिफ्टिंग फेस्टिवल। यह ऑफर सीमित समय तक ही रहेगा। इसमें मिआ बाए तनिष्क में ग्राहकों को हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 20त्न की आकर्षक छूट मिल रही है। अपनी इस शानदार ऑफर के साथ मिआ ने इस दौर को जीवन की प्रमुख उपलब्धियों के लिए कीमती उपहार देना और भी आसान बना दिया है।

शादियों के सीज़न के लिए मिआ ने पेश किया है, बहुत ही सोच-समझकर, कुशलतापूर्वक बनाए गए आभूषणों का कलेक्शन, जो उपहार देने को आसान बनाता है। दुल्हन को उसकी ज़िन्दगी के सबसे बड़े दिन पर आशीर्वाद देना हो, ब्राइड्समेड्स के लिए शानदार आभूषण चुनना हो, या जोड़े के परिवार और दोस्तों को उपहार देना हो, मिआ में आपको मिलेगा जॉय ऑफ़ गिफ्टिंग। मिआ के डिज़ाइन आधुनिक होने के बावजूद, बदलते समय के साथ अपनी सुंदरता और प्रासंगिकता बनाए रखते हैं, हर तरह के जश्न की शान बढ़ाते हैं। मिआ बाए तनिष्क के आभूषण आपके खास पल जितने ही यादगार होते हैं।

शादियों के अलावा, जॉय ऑफ गिफ्टिंग फेस्टिवल छात्रों के लिए भी एकदम सही समय पर आया है। अपने महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक पड़ाव को हासिल करने का जश्न एक बेहतरीन आभूषण के साथ मनाएं, जो न केवल आपकी सफलता का प्रतीक बनेगा, बल्कि भविष्य का वादा भी करेगा। किसी प्रियजन के लिए हो या अपने आप को पुरस्कृत करने के लिए, मिआ के कलेक्शन ग्रेजुएशन के क्षणों को चमकाने के लिए एकदम सही है।

सत्व सुकून लाइफकेयर लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 के मजबूत परिणाम घोषित किए

कंपनी के 48 करोड़ के राइट्स इश्यू ने इन परिणामों का समर्थन किया

मुंबई एजेंसी। होम डेकोर और विभिन्न सुगंध उत्पादों के विनिर्माण से जुड़ी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड ने 1.00 प्रति राइट्स इक्विटी शेयर के नकद मूल्य पर 48 करोड़ इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू की घोषणा की है, जिससे कुल 48 करोड़ की राशि प्राप्त होगी। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य कंपनी के पूंजी आधार को मजबूत करना और इसके विस्तार के अगले चरण को समर्थन देना है। यह राइट्स इश्यू पात्र इक्विटी शेयरधारकों को 9 मई, 2025 की रिकॉर्ड तिथि तक धारित प्रत्येक 2 फुल्ली पैड इक्विटी शेयरों के लिए 5 राइट्स इक्विटी शेयरों के रेशियों दिए जा रहे हैं। यह इश्यू 30 दिनों की अवधि के लिए खुला रहेगा, जो 28 मई, 2025 को शुरू होगा और 26 जून, 2026 को बंद होगा। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि इस इश्यू की समापन तिथि को बढ़ाया नहीं जा सकता है। सेबी के नियमों के अनुसार, सभी अधिकार और आवंटन प्रक्रिया केवल डीमैट रूप में ही की जाएगी। नियामक दिशानिर्देशों के अनुसार आंशिक, आंशिक अधिकारों को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। हालांकि, पात्र शेयरधारक जिनके आंशिक अधिकारों की उपेक्षा की गई है, उन्हें उपलब्धता के अधीन, अपने अधिकारों से अधिक शेयरों के लिए आवेदन करने पर एक अतिरिक्त शेयर के आवंटन के लिए प्रेफरेंशियल विचार किया जा सकता है। सत्व सुकून लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मीत टी. ब्रह्मभट्ट ने कहा कि यह राइट्स इश्यू हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आय से हम परिचालन को बढ़ा सकेंगे, उत्पाद नवाचार को बढ़ा सकेंगे और बाजार में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर सकेंगे। पिछले एक साल में हमारा मजबूत वित्तीय प्रदर्शन मूल्य सृजन और दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डीमैट खातों में जमा राइट्स अधिकारों को स्टॉक एक्सचेंज मैकेनिज्म या ऑफ-मार्केट ट्रांसफर के माध्यम से आंशिक या पूर्ण रूप से समर्पित किया जा सकता है। बाजार आधारित निकासी की अंतिम तिथि शुक्रवार, 20 जून 2025 है। यह ध्यान देने योग्य है कि यह पूंजी निवेश ऐसे समय में किया गया है जब कंपनी मजबूत वित्तीय प्रदर्शन कर रही है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 74.8त्न बढ़कर 84.22 लाख हुआ था, जबकि परिचालन से आय 6त्न बढ़कर 105.16 लाख हुई थी।

टाटा एआईए ने वित्त वर्ष 25 के लिए 1,842 करोड़ का बोनस घोषित किया; यह उनका अब तक का सबसे अधिक बोनस है

मुंबई एजेंसी। भारत की सबसे भरोसेमंद जीवन बीमा कंपनियों में से एक टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए अपनी सहभागी योजनाओं में 1,842 करोड़ के रिकॉर्ड बोनस भुगतान की घोषणा की है। 8.15 लाख से अधिक पॉलिसियों को इसका लाभ मिलेगा। इस वर्ष का भुगतान पिछले वर्ष के 1,465 करोड़ के बोनस से 26त्न अधिक है, यह कंपनी के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक बोनस है। अन्य सहभागी योजनाओं के अलावा, डायमंड सेविंग्स प्लान, स्मार्ट वैल्यू इनकम प्लान, वैल्यू इनकम प्लान और शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान जैसी प्रमुख सहभागी योजनाओं के लिए बोनस घोषित किया गया है। सहभागी बीमा योजनाओं को पार योजनाएं भी कहा जाता है, यह वो जीवन बीमा पॉलिसियां हैं जो बोनस या लाभांश के रूप में पॉलिसीधारकों के साथ लाभ साझा करती हैं। ये बोनस गारंटीड नहीं होते हैं, लेकिन आम तौर पर इन्हें सालाना घोषित किया जाता है, जो बीमाकर्ता के सहभागी (या लाभ के साथ) फंड के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। पॉलिसीधारकों के लिए इसका क्या मतलब है यह घोषणा टाटा एआईए की अपने उपभोक्ताओं के साथ साझेदारी करने और उन्हें उनके सपने पूरे करने में सक्षम बनाने की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

संक्षिप्त समाचार

घरवालों से बात करने को तड़प रहा जेल में बंद तहव्वुर राणा

अदालत का खटखटाया दरवाजा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा ने अपने परिवार से बात करने की इजाजत मांगी है। इसके लिए उसने मंगलवार को नई दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की। राणा के वकील के माध्यम से दायर आवेदन पर बुधवार को विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष सुनवाई होने की संभावना है। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई व्यवसायी राणा फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकवादी हमले के मुख्य षड्यंत्रकारी डेविड कोलमैन हेडली उर्फ ??दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है। सीनियर वकील दयान कृष्णन और विशेष लोक

अभियोजक नरेंद्र मान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (ह्द्ब) की ओर से पेश हुए। कार्यवाही शुरू होने से पहले अदालत ने राणा से पूछा कि क्या उसके पास कोई वकील है। राणा ने बताया कि उसके पास कोई वकील नहीं है। इस पर अदालत ने बताया कि दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उसे वकील मुहैया कराया जा रहा है। इसके बाद वकील पीयूष सचदेवा को उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया।

हाफिज सईद, साजिद मीर को भी सौंपने की मांग- दूसरी ओर, इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने कहा है कि जैसे अमेरिका ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से तहव्वुर हुसैन राणा को भारत को सौंपा था, उसी तरह पाकिस्तान को प्रमुख आतंकवादियों हाफिज सईद, साजिद मीर और जकीउर रहमान लखवी को भारत को सौंप देना चाहिए। सिंह ने आतंकवाद को वैश्विक खतरा बताते हुए इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने का भी आह्वान किया। इजराइली टीवी चैनल आई24 को सोमवार को दिए गए साक्षात्कार में सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर रोका गया है, यह खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने इस संबंध में घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी कि भारत को कार्रवाई क्यों करनी पड़ी और कहा कि यह अभियान पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों के खिलाफ था।

सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप में पुलिस ने विहिप नेता को गिरफ्तार किया

मंगलुरु, एजेंसी। मंगलुरु में इस महीने के शुरू में एक हिन्दूवादी नेता की हत्या के बाद भड़काऊ भाषण देने, सांप्रदायिक तनाव भड़काने और सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के वरिष्ठ नेता शरण पंपवेल को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गत एक मई को बाजपे थाना क्षेत्र में विहिप कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद उनके शव का पोस्टमार्टम ए.जे. अस्पताल के शवगृह में किया गया था। आरोप है कि अस्पताल परिसर के बाहर हिंदू संगठन के नेता शरण पंपवेल ने मीडिया से बातचीत में शेट्टी की हत्या में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई और 'जिहादी इस्लामी आतंकवादियों' के शामिल होने का दावा करते हुए भड़काऊ बयान दिया था।

उन्होंने दो मई को जिले में बंद का आह्वान भी किया था। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि जब जनता ने बंद का समर्थन नहीं किया तो पंपवेल के बयान से भड़के उनके समर्थकों ने मंगलुरु के विभिन्न हिस्सों में तोड़फोड़ की और जबरन दुकानें एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद करवाने के लिए अशांति पैदा की जिससे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा, सांप्रदायिक तनाव बढ़ा और सार्वजनिक शांति भंग हुई। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद मंगलुरु पूर्व पुलिस थाने में पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए तथा शरण पंपवेल को पूछताछ के लिए दो नोटिस दिए गए लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए और उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर कैंपों में लौटने लगे आतंकी, पीओके में हुए ऐक्टिव, बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी लॉन्चपैड्स और ट्रेनिंग कैंपों में आतंकियों की फिर से वापसी हो रही है। बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) शशांक आनंद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों से आतंकियों की घुसपैठ की संभावनाओं के इनपुट मिल रहे हैं, जिनसे सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

- **घुसपैठ की कोई तय तारीख नहीं, लेकिन तैयारी जोरों पर-** आईजी शशांक आनंद ने कहा, फिलहाल हमारे पास किसी खास दिन की जानकारी नहीं है जब आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हमें लगातार सूचना मिल रही है कि आतंकी संगठन एक्टिव हैं। वे फिर से अपने कैंपों में लौटे हैं, ट्रेनिंग ले रहे हैं, और ऐसे रास्तों से घुसपैठ की कोशिश करेंगे जहां उन्हें सुरक्षा में ढील महसूस होगी। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों में एलओसी और आईबी पर खुफिया एजेंसियों से लगातार इनपुट मिल रहे हैं, इसलिए हर इलाके में सुरक्षा बलों को अलर्ट मोड में रहना होगा।
- **100 से ज्यादा आतंकियों का सफाया, ऑपरेशन सिंदूर की सटीक स्ट्राइक-** भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके और पाकिस्तान में मौजूद 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया। इसके अलावा पाकिस्तानी ड्रोन हमलों की कोशिशों को भी नाकाम किया गया। 13 मई को ऑपरेशन केलर के तहत चार लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मार गिराया गया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

- **ड्रोन हमले में तीन जवान शहीद, पोस्ट को मिलेगी वीरता की पहचान-** 10 मई की सुबह पाकिस्तान ने जम्मू के सांबा सेक्टर में बीएसएफ की पोस्ट्स पर ड्रोन के जरिए हमला किया। इस हमले में बीएसएफ के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, कांस्टेबल दीपक कुमार और भारतीय सेना के नायक सुनील कुमार शहीद हो गए। आईजी आनंद ने कहा, हम इन शहीदों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए दो पोस्ट्स का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव रख रहे हैं, और एक पोस्ट का नाम 'सिंदूर' रखा जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर की याद दिलाएगा।
- **पाकिस्तान की गोलीबारी का माकूल जवाब-** उन्होंने यह भी बताया कि 7 मई को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ था, तब यह आशंका थी कि पाकिस्तान जवाब में फायरिंग करेगा। क्चस्स्न ने इस आशंका को ध्यान में रखते हुए जम्मू के अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र पर चौकसी बढ़ा दी थी। जब पाकिस्तान ने अकारण गोलीबारी की, तो क्चस्स्न ने उसका करारा जवाब दिया।

उन्होंने बताया, हमारे निगरानी उपकरणों में यह सब रिकॉर्ड हुआ है। हमने पाकिस्तान में मौजूद तीन आतंकी लॉन्चपैड्स को भी निशाना बनाकर नष्ट किया है। यह संदेश स्पष्ट है - भारत किसी भी आतंकी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगा। बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई है कि कई 'लॉन्च पैड' नष्ट हुए हैं तथा सटीक हमलों के दौरान आतंकवादियों और पाकिस्तानी रेंजर्स में से कई की मौत हो गई। आईजी ने कहा, ''चिकन नेक क्षेत्र के सामने लश्कर-ए-तैयबा के लॉन्च पैड को 9-10 मई की रात को एक विशेष हथियार प्रणाली का उपयोग करके नष्ट कर दिया गया।''

'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया

बीएसएफ ने बताया कि उसने उन तीन 'आतंकी लॉन्च पैड' को भी नष्ट किया, जहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका थी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 60 भारतीय चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर भारी गोलीबारी और बमबारी शुरू करने के बाद हुई, जिसका मकसद कथित तौर पर 40-50 आतंकवादियों को सीमा पार घुसपैठ कराना था। बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) चित्रपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''पाकिस्तान ने हमारी 60 सीमा चौकियों और 49 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की। जवाब में हमने उनकी 76 चौकियों और 42 अग्रिम रक्षा ठिकानों पर गोलीबारी की।'' सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा सुंदरबनी सेक्टर के पास संचालित एक प्रमुख 'आतंकी लॉन्च पैड' को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''अब उस क्षेत्र से कोई हलचल नहीं देखी गई है।''

नड्डा टटोलेंगे संगठन की नब्ज! 31 मई को आएंगे जयपुर, कुछ यूं रहेगा कार्यक्रम

जयपुर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। हालांकि, यह दौरा महज़ एक महिला केंद्रित कार्यक्रम में शिरकत तक सीमित नहीं रहने वाला है। सूत्रों के अनुसार, नड्डा प्रदेश संगठन की स्थिति को भी परख सकते हैं और इसके लिए एक अहम अनौपचारिक बैठक आयोजित की जा सकती है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि नड्डा दोपहर बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित अन्य प्रमुख चेहरे मौजूद रह सकते हैं। प्रदेश कार्यालय में तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं, हालांकि अभी तक भाजपा की ओर से बैठक का कोई आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है।

माना जा रहा है कि यह बैठक संगठनात्मक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। नड्डा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले विभिन्न संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा पर चर्चा कर सकते हैं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी को लेकर प्रारंभिक चर्चा की भी संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर से फीडबैक लिया जाएगा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच संवाद और समन्वय कैसा चल रहा है।

सूत्रों के अनुसार, नड्डा इस दौरान यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि प्रदेश सरकार और संगठन के बीच तालमेल किस स्तर का है। हाल ही में हुई बैठकों और घटनाक्रमों के आधार पर स्थानीय स्तर पर उभरे गुटबाजी और मतभेदों की रिपोर्ट भी उनके समक्ष रखी जा सकती है। यह बैठक भले ही अनौपचारिक हो, लेकिन इसके दूरगामी राजनीतिक असर माने जा रहे हैं।

इसके अलावा, नड्डा निकट भविष्य में होने वाले निकाय चुनावों को लेकर भी नेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दे सकते हैं। यह दौरा जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंपर्क की रणनीति को बल देगा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक कसौटी पर नेताओं की भूमिका और सक्रियता को भी परखेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, यह दौरा राजस्थान भाजपा के लिए आत्मविश्लेषण और सुधार की दिशा में एक निर्णायक मोड़ हो सकता है। आने वाले समय में यदि संगठन में कोई बड़ा बदलाव होता है तो उसकी झलक इस बैठक में देखी जा सकती है।

संजय राउत के बयान पर महाराष्ट्र सरकार ने जताया कड़ा ऐतराज

महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान

मुंबई, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताने पर महाराष्ट्र सरकार ने कड़ा ऐतराज जताया है। महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि ऐसा बयान पूरे देश का अपमान है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में कदम ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताना गलत है। हमारे देश के जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया। आज तक पाकिस्तान में किसे ने ऐसी कार्रवाई नहीं की थी। पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान आतंकियों का हब है, उस पर हमला करने की हिम्मत भारत ने दिखाई। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर आप देश की बदनामी पूरी दुनिया में कर रहे हो। मुझे लगता है कि अगर आप सपोर्ट नहीं कर सकते तो कम से कम चुप बैठना चाहिए। ऐसी मानसिकता को सड़ा हुआ दिमाग ही कहेंगे। दरअसल, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को फेल बताया था। शिवसेना यूबीटी नेता का यह बयान तब आया जब भारतीय राजनयिक प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया है। साथ ही, विपक्षी नेता पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक की भी मांग की है। राउत ने कहा, %ऑपरेशन सिंदूर विफल रहा। हालांकि, राष्ट्रहित में विपक्ष इस पर ज्यादा बात नहीं करना चाहता।

ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा का बड़ा आरोप, शराब पिलाने का दिया ऑफर, टेबल पर चढ़कर...

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा पेमन ने संसदीय निगरानी संस्था से शिकायत की है कि उन्हें शराब पीने और नाचने के लिए कहा गया। एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फातिमा ने बुधवार को कथित तौर पर आरोप लगाया, मेरे एक पुरुष मित्र ने मुझे शराब पीने और मेज पर नाचने के लिए कहा।

सीनेटर फातिमा पेमन (30) ने आगे कहा कि वह शराब नहीं पीती हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके वरिष्ठ सहयोगी ने एक आधिकारिक समारोह में बहुत अधिक शराब पीने के बाद कई अनुचित टिप्पणियां कीं। फातिमा पेमन ने दावा किया कि उनसे कहा गया, चलो तुम्हारे लिए कुछ शराब लाते हैं और तुम्हें मेज पर नाचते हुए देखते हैं। मैंने आस कोवर्ज से कहा, अरे माने एक लाइन बनाई है, दोस्त। और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

आपको बता दें कि फातिमा पेमन का जन्म अफगानिस्तान में हुआ था और वह ऑस्ट्रेलिया की संसद के अंदर हिजाब पहनने वाली पहली सीनेटर हैं। स्वतंत्र सीनेटर पेमन ने 2024 में वामपंथी लेबर सरकार से नाता तोड़ लिया, उस पर गाजा में फिलिस्तीनियों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले - पूर्व राजनीतिक कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस ने 2021 में आरोप लगाया था कि संसदीय कार्यालय के अंदर उनके सहकर्मी ने उनके साथ बलात्कार किया, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए।

विदेश सचिव मिस्री अमेरिका में, रणनीतिक तकनीकी सहयोग और व्यापार वार्ता पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की और इंडिया-यूएस स्ट्रैटेजिक ट्रेड डायलॉग (भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों को लेकर गंभीर मंत्रणा की। यह मुलाकात रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच उच्च स्तरीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वाशिंगटन में आयोजित बैठक में मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच प्रमुख तकनीकी और व्यापार पहलों पर गति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। उन्होंने तकनीकी और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता के शीघ्र आयोजन पर भी चर्चा की।

मिस्री वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, इस दौरान उनका ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उनकी यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका समझौता - सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को बढ़ावा देना - 21वीं सदी के लिए रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा लॉन्च किया था। उस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त रूप से 21वीं सदी के लिए अमेरिका-भारत समझौता का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य सैन्य, वाणिज्यिक और तकनीकी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रगति को बढ़ावा देना है। जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण के बाद से यह पीएम मोदी की अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा थी। उल्लेखनीय रूप से, पीएम मोदी नए प्रशासन के गठन के बाद अमेरिका में आमंत्रित किए जाने वाले शुरुआती विश्व नेताओं में से एक थे, यह यात्रा ट्रंप के शपथ ग्रहण के सिर्फ तीन सप्ताह के भीतर हुई थी। यह यात्रा राष्ट्रपति ट्रंप के हाल के दावों के बाद हो रही है जिसमें उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते की मध्यस्थता का बड़ा दावा किया था। हालांकि, नई दिल्ली ने लगातार कहा है कि युद्ध विराम समझौता पाकिस्तान की शत्रुता समाप्त करने की तत्काल अपील का परिणाम था, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी हवाई ठिकानों पर भारतीय सैन्य हमलों के बाद।

नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे।

काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले

से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुं पाया है।

मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे लिए गौरव का विषय है।

पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं।

कामी रीता कौन हैं?: शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे। कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं।

बेल्जियम की पर्यटकों को चेतावनी: हमारी ऐतिहासिक सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए!

ब्रुग्स एजेंसी। बेल्जियम का सुंदर और ऐतिहासिक शहर ब्रुग्स इन दिनों एक अजीब सी परेशानी से जूझ रहा है। यूरोप के सबसे खूबसूरत और आकर्षक पर्यटन स्थलों में गिना जाने वाला यह शहर अपनी मध्ययुगीन इमारतों और खास पत्थर वाली सड़कों के लिए प्रसिद्ध है। इसी ऐतिहासिक सुंदरता के चलते ब्रुग्स का केंद्र यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट भी घोषित किया गया है। लेकिन अब वही खूबसूरती शहर के लिए मुसीबत बनती जा रही है। दरअसल, पर्यटक यहां की ऐतिहासिक सड़कों से चौकोर पत्थर उखाड़कर 'स्मृति-चिह्न' के रूप में अपने साथ ले जा रहे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, *हर महीने करीब 50 से 70 पत्थर इस तरह गायब हो रहे हैं। ब्रुग्स प्रशासन के मुताबिक, प्रत्येक वर्ग मीटर सड़क को फिर से बनाने में लगभग 225 डॉलर का खर्च आता है। हालांकि कुछ सैलानी सोचते हैं कि एक-दो ढीले पत्थर उठाने से क्या फर्क पड़ेगा, लेकिन यह काम न सिर्फ विरासत को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। इसी चिंता को लेकर स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों ने एक जागरूकता अभियान शुरू किया है जिसमें लोगों से अपील की जा रही है कि कृपया हमारी सड़कों के पत्थर चुराकर मत ले जाइए।

जितेश की पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है : टॉम मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली। मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए। उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।

भारत ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना) (एजेंसी)। गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

इंग्लैंड का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी शीर्ष क्रम बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना ??है कि इंग्लैंड का आगामी 5 मैचों का टेस्ट दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए चुने गए युवा खिलाड़ियों के समूह का हवाला दिया। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टेस्ट खेलने के नए युग में कदम रखने के लिए भारत के पास क्रमशः शुभमन गिल और ऋषभ पंत के रूप में एक नया कप्तान और उप-कप्तान है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने इंग्लैंड में 19 में से केवल तीन श्रृंखलाएं जीती हैं जिसमें आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ ने टीम की कप्तानी की थी।

उन्होंने कहा, भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज हमेशा से ही टीम के धैर्य और अनुकूलनशीलता का सही माप रही है। पिछले 100 वर्षों में भारत ने इंग्लैंड की धरती पर खेली गई 19 सीरीज में से केवल 3 में ही जीत हासिल की है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि यह प्रतियोगिता हमारे लिए कितनी चुनौतीपूर्ण रही है। एक युवा और गतिशील टीम के साथ, यह दौरा भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ का प्रतिनिधित्व करता है। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह

समूह किस तरह से इस अवसर पर आगे बढ़ता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए नए मानक स्थापित करता है।

एजबेस्टन, लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड और द ओवल भारत-इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के शेष खेलों के लिए अन्य स्थल हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला भारत के लिए एक नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र की शुरुआत भी करती है। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर इरफान पठान ने गिल की अगुवाई वाली टीम का समर्थन किया है कि वह इंग्लैंड दौरे पर मिलने वाली कड़ी चुनौतियों का सामना करेगी। पठान को प्रसारकों के कवरेज के लिए पैनलिस्ट के रूप में देखा जाएगा, जिनकी टेस्ट श्रृंखला के लिए अभियान की टैगलाइन %ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी है।

पठान ने कहा, नई पीढ़ी के आगे आने के साथ, टीम इंडिया न केवल विरासत को आगे बढ़ा रही है, वे हमारे क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहे हैं। ग्राउंड तुम्हारा, जीत हमारी, इस टीम के निडर रवैये और लचीलेपन को पूरी तरह से दर्शाता है। मुझे विश्वास है कि इस टीम में सबसे कठिन चुनौतियों का सामना करने और देश भर में प्रशंसकों की एक नई लहर को प्रेरित करने की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा : ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं' से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी।

क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा।

बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था।

बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

सिंधु और प्रणय ने सिंगापुर ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और पुरुष वर्ग में एचएस प्रणय ने सिंगापुर ओपन में मंगलवार को अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये महिला एकल वर्ग के मुकाबले में सिंधू ने कनाडा की वेन यु झांग को सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधू ने 31 मिनट तक चले मुकाबले में झांग को 21-14, 21-9 से हराया। इसी के साथ भारतीय शटलर का पहले राउंड में हार का सिलसिला समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू अगले दौर में मुकाबला टोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता चीन की यू फेई से होगा। पुरुष एकल में भारत के एचएस प्रणय ने डेनमाक के रासमस गेम्के के खिलाफ वापसी करते हुए एक घंटे 12 मिनट में 21-19, 16-21, 14-21 से मुकाबला जीत लिया। एक घंटा 12 मिनट तक चले मुकाबले में पहला गेम हारने के बाद प्रणॉय ने शानदार वापसी करते हुए दोनों गेम में जीत हासिल करते हुए प्री-क्वार्टर में प्रवेश किया। इस बीच हार के साथ मालविका बंसोड़ और अनमोल खरब का अभियान समाप्त हो गया। मालविका संघर्षपूर्ण मुकाबले में थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग से 21-14, 18-21, 11-21 से हारी। जबकि अनमोल को चीन की चेन यूफेई से दूसरे गेम में करीबी हार मिली। अनमोल को 21-11, 24-22 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल मुकाबले में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी चीन के चेंग जिंग/झांग ची की जोड़ी से 18-21,13-21 से हार गई।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में

आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली। मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं। मैकडोनाल्ड ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए संघर्ष किया और दूसरे सेट में अंतर को कम करने के लिए सर्विस का एक ब्रेक हासिल किया, लेकिन जोकोविच ने तुरंत वापसी की और इसे बंद कर दिया। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने नौ में से पांच ब्रेकपॉइंट को कन्वर्ट किया और मैकडोनाल्ड के आक्रमण को रोकने के लिए बेसलाइन से लगातार शॉट्स में गहराई बनाए रखी।

रेसलिंग की जगह ये काम करना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है। जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा तह्लञ्ज कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग – जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का

फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम – जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

आईपीएल 2025: लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत पर लगा भारी जुर्माना, अन्य प्लेयर्स पर भी गिरी गाज

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत पर मंगलवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2025 मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। यह पंत का तीसरा ओवर-रेट अपराध था, पहला और दूसरा अपराध क्रमशः 5 अप्रैल और 26 अप्रैल को हुआ था और उन पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया और प्लेइंग इलेवन के अन्य सदस्यों पर या तो 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल के बयान में कहा गया है, चूंकि यह आईपीएल की न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आचार संहिता के तहत उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसमें कहा गया, %इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग 11 के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया

गया।

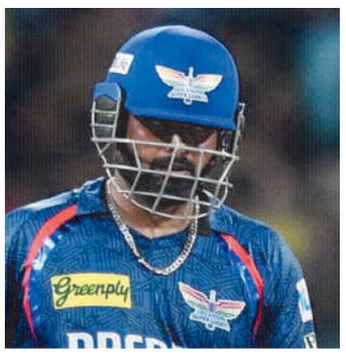

मंगलवार को पंत ने सनसनीखेज शतक के साथ आगे बढ़कर नेतृत्व किया, लेकिन सिर्फ 61 गेंदों पर उनकी नाबाद 118 रन की पारी बेकार चली गई क्योंकि स्न्त्र अपने अंतिम ढ्ढक्क2025 लीग गेम में ऋ्रष्टक्चसे हार गई। बल्लेबाजी करने के लिए भेजे जाने पर पंत ने अपना दूसरा आईपीएल शतक जड़ते हुए फॉर्म में वापसी की, जबकि मिशेल मार्श ने 37 गेंदों में 67 रनों की पारी खेली और स्न्त्र को 227/3 पर पहुंचाया।

एलएजी के गेंदबाजों ने महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और आरसीबी को 123/4 पर सीमित कर दिया। इसके बाद जितेश शर्मा और मयंक अग्रवाल ने मैच-विजेता 107 रनों की साझेदारी करके 18.4 ओवर में लक्ष्य हासिल करते हुए लखनऊ की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एलएसजी ने 14 मैचों में छह जीत के साथ 12 अंकों के साथ आईपीएल 2025 अभियान का समापन किया। इस बीच आरसीबी ने लीग चरण से 19 अंकों के साथ क्वालीफायर 1 के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

आईपीएल प्लेऑफ: अय्यर की रणनीति और आरसीबी की प्रतिभा के बीच होगी जंग

मुलांपुर (चंडीगढ़) (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की प्रेरक नेतृत्व क्षमता की अब तक की सबसे कठिन परीक्षा होगी जब पंजाब किंग्स गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के पहले क्वालीफायर में उत्साह से भरी एक अन्य टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की मेजबानी करेगा। शीर्ष दो में स्थान प्राप्त करने के बाद इन दोनों टीम से फाइनल में पहुंचने की उम्मीद की जा रही है क्योंकि पहले क्वालीफायर में हारने के बावजूद उन्हें खिताबी मुकाबले में जगह बनाने का एक और मौका मिलेगा।

पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। इसका श्रेय अय्यर और रिकी पोंटिंग (मुख्य कोच) की जोड़ी को जाता है जिन्होंने टीम की संस्कृति को बदलकर उसे नया स्वरूप प्रदान किया। दूसरी ओर आरसीबी को नॉकआउट चरण में कई बार हार का सामना करना पड़ा तथा इस बार वह खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। उनके अपने शब्दों में खिताब के दोनों दावेदारों के लिए काम अभी आधा ही हुआ है।

अय्यर-पोंटिंग की जोड़ी पंजाब किंग्स में शानदार बदलाव लेकर आई है और टीम ने लीग चरण में शुरू से लेकर आखिर तक अच्छा प्रदर्शन किया है। यह संयोजन खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सफल रहा है, जिससे यह एक मजबूत टीम बन गई है। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने अय्यर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया है। फिनिशर शशांक सिंह ने लगातार अपने खेल में सुधार किया है जबकि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस ने बल्ले से अपनी क्षमता का पता लगाकर बल्लेबाजी को और अधिक मजबूत बना दिया है।

पंजाब के लिए चिंता का विषय गेंदबाजी विभाग है, विशेषकर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मार्को यानसन के जाने के बाद, जो राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने के लिए स्वदेश लौट गए हैं। यानसन ने पावरप्ले और डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण ओवर फेंके और टीम को निश्चित रूप से उनकी कमी खलेगी। काइल जैमीसन ने आपने पहले मैच में कुछ उम्मीद जगाई है, लेकिन उन्हें प्रभाव छोड़ने के लिए बेहतर गेंदबाजी करनी होगी।

ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई भी यानसन की जगह ले सकते हैं। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल उंगली की चोट के कारण पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनके इस महत्वपूर्ण मैच में वापसी करने और हमेशा सटीक गेंदबाजी करने वाले हरप्रीत बरार के साथ मजबूत जोड़ी बनाने की उम्मीद है। अर्शदीप सिंह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए लंबे समय से बेहतरीन तेज गेंदबाज रहे हैं और उन्होंने खेल के सभी चरणों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

आरसीबी को भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में कुछ खिलाड़ियों की चोट को लेकर चिंता थी लेकिन वह काफी हद तक दूर हो गई है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है और टिम डेविड भी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे, जिससे टीम में अधिक संतुलन आएगा। ऋ्रष्टक्च पिछले कई वर्षों से अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर निर्भर रही है, लेकिन जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ियों के मध्यक्रम में अपनी क्षमता दिखाने के बाद ऐसा लगता है कि यह बदल रहा है।

जितेश ने मंगलवार रात को अपने आईपीएल करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली और प्लेऑफ में जाने से पहले उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा। टीम के दृष्टिकोण से यह महत्वपूर्ण होगा कि फिल साल्ट पावरप्ले में अपनी सर्वश्रेष्ठ विस्फोटक बल्लेबाजी करें और विराट कोहली उसी तरह बल्लेबाजी करते रहें जैसे वे पूरे सत्र में करते आए हैं।

संभावित प्लेइंग 11

पंजाब किंग्स – प्रियांश आर्य, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, हरप्रीत बराड़, काइल जैमीसन, विजयकुमार विशक, अर्शदीप सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु –फिलिप साल्ट, विराट कोहली, मयंक अग्रवाल, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (कप्तान और विकेटकीपर), रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल, नुवान तुषारा, सुयश शर्मा

समय – शाम 7.30 बजे।

दोस्ती की आड़ में अब मिलेगा धोखा, करण जौहर के शो द ट्रेटर्स का प्रोमो हुआ रिलीज

करण जौहर का मच अवेटेड ओटीटी शो द ट्रेटर्स अब जल्द ही दस्तक देने वाला है। इस शो का पहला प्रोमो रिलीज हो चुका है। अमेजन प्राइम वीडियो पर इस शो को दिखाया जाएगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म के इंस्टाग्राम पर शो का एक प्रोमो आया है, जिसमें करण जौहर शो के बारे में बताते हुए नजर आ रहे हैं।

शो का प्रोमो हुआ रिलीज

द ट्रेटर्स शो का पहला प्रोमो जारी किया जा चुका है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है- दोस्ती करने के लिए आइए और धोखेबाजी करने के लिए रहिए। इस शो का थीम साफ है लोगों को एक दूसरे को धोखा देना होगा, तभी वो शो में सर्वाइव कर पाएंगे।

कौन-कौन कंटेस्टेंट होगा शामिल?

शो के प्रोमो से इसके कंटेस्टेंट्स के बारे में कोई हिंट नहीं मिला है। हालांकि टीवी और डिजीटल मीडिया के कई स्टार्स हैं जिनके नाम शो के लिए पहले से ही सामने आ रहे थे। इस नामों में करण कुंद्रा, एल्विश यादव, राज कुंद्रा, रफ्तार, उर्फी जावेद जैसे नाम शामिल हैं।

द ट्रेटर्स के बारे में

बता दें द ट्रेटर्स एक इंटरनेशनल हिट रियलिटी शो है, जिसकी सफलता अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कई दूसरे देशों में देखी जा चुकी है। अब इसका इंडियन वर्जन लेकर आ रहे हैं करण जौहर, जिसमें चालाकी, साजिश और दिमागी खेल का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। इस शो का कांसेप्ट ऐसा है, जहां कुछ खिलाड़ी वफादार होंगे और कुछ गद्दार। द ट्रेटर्स खेल का उद्देश्य है धोखे को पकड़ना और सच्चाई को सामने लाना। लेकिन जब हर किसी पर शक किया जाए, तो दोस्त और दुश्मन में फर्क करना आसान नहीं रहता। यह शो सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मानसिक ताकत, रणनीति और सामाजिक कौशल की चुनौती है। होर्डिंग्स पर दिखाई देने वाले डायलॉग्स में बदलाव भी इसी खेल का हिस्सा है।

वामिका गब्बी ने किया खुलासा फिल्म चुनने के लिए क्या है दो जरूरी बातें

बॉलीवुड एक्ट्रेस वामिका गब्बी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो अपने काम को लेकर बेहद सोच-समझकर फैसले लेती हैं। वह ऐसे किरदार को चुनती हैं जो उन्हें अंदर से खुशी और संतुष्टि दें। एक्ट्रेस ने बताया कि उनके लिए कोई भी भूमिका तभी खास होती है जब वह रचनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो और उनके करियर में कुछ नया जोड़ सके। अगर उन्हें कोई ऐसा किरदार मिलता है, तो वह तुरंत उस प्रोजेक्ट के लिए हां कह देती हैं। खास बातचीत में जब वामिका से पूछा गया कि वह फिल्में किस आधार पर चुनती हैं, इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि फिल्म चुनने के लिए दो बातें जरूरी हैं, फिल्म से कुछ सीखने को मिले और आपका किरदार कहानी के लिए बेहद जरूरी हो। अगर आपको लगे कि आप कुछ खास दे रहे हैं, आपका किरदार कहानी में कुछ जोड़ रहा है, तो वो काम दिलचस्प लगता है। वामिका गब्बी ने आगे कहा, अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं और कोई प्रोजेक्ट आपके काम में भी कुछ अच्छा जोड़ता है, तो यह एक ही बात है, मैं बस उसे अलग तरीके से कह रही हूं। आखिर में बात यह है कि जब आपको लगे कि ये काम करना मजेदार या संतुष्टि भरा होगा, तभी आप उसे करने के लिए हां कहते हैं। वामिका गब्बी इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म भूल चूक माफ को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव भी हैं। यह फिल्म पहले 16 मई को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में 23 मई को इसे सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया गया। यह फिल्म अब 6 जून को ओटीटी प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। भूल चूक माफ को मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है। वहीं इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है। फिल्म में राजकुमार राव रंजन तिवारी नाम के लड़के का किरदार निभा रहे हैं, वहीं वामिका तितली मिश्रा नाम की लड़की की भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी बनारस में अपने माता-पिता के साथ रहने वाले रंजन तिवारी की है, जो तितली से बेहद प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। दोनों भागकर शादी करने की प्लानिंग करते हैं, लेकिन इस प्लान के बारे में उनके माता-पिता को पता चल जाता है। दोनों के माता-पिता शादी के लिए मान जाते हैं, लेकिन तितली के पिता रंजन के सामने एक शर्त रखते हैं कि उसे दो महीने के अंदर सरकारी नौकरी हासिल करनी होगी। इस दौरान रंजन टाइम लूप में फंसता हुआ भी दिखता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो वामिका गब्बी जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी। इस फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन हैं। भूत बंगला 2 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मृणाल और अदिवी शेष की डकैत का टीजर रिलीज, प्यार और धोखे की कहानी में लगेगा एक्शन का तड़का

इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'डकैत' का आज टीजर जारी हो गया है। टीजर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर में फिल्म की प्रमुख स्टारकास्ट अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप नजर आ रहे हैं। फिल्म का नाम 'डकैत- एक प्रेम कथा' है, ऐसे में फिल्म में एक्शन के साथ-साथ रोमांस का तड़का भी देखने को मिलेगा।

प्यार और धोखे की कहानी दिखाती है फिल्म

1 मिनट 1 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत अदिवी शेष के एक वाइस ओवर से होती है। जबकि मृणाल ठाकुर की आखों में आंसू हैं और वो परेशान दिखती हैं। वाइस ओवर में कहता है, 'जूलियट तेरे साथ सबने बहुत गलत किया है। जिस पर भी तूने भरोसा किया, उसने तुम्हें धोखा दिया। लेकिन फिक्र मत कर, अब मैं आ गया हूं। अब कोई नहीं बचेगा। बचेगी तो बस तेरी बर्बादी।' टीजर से पता चलता है कि फिल्म की कहानी कहीं न कहीं प्यार और धोखे पर आधारित है। टीजर में अनुराग कश्यप भी एक झलक दिखे हैं। जो कहीं न कहीं फिर से फिल्म में निगेटिव किरदार में लग रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

टीजर ने बढ़ाई फिल्म को लेकर उत्सुकता

टीजर में एक ओर जहां अदिवी शेष एक्शन अवतार में और गुस्से में नजर आ रहे हैं, तो वहीं मृणाल ठाकुर परेशान हैं और दुखी दिख रही हैं। एक सीन में वो अदिवी शेष के ही पीछे छिपती भी दिखती हैं। टीजर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप के अलावा प्रकाश राज, अतुल कुलकर्णी, सुनील, जैन मैरी खान और कामाक्षी भास्करला जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मृणाल ने किया श्रुति हासन को रिप्लेस

डकैत में पहले श्रुति हासन अदिवी शेष के साथ मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन बाद में उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया। इसके बाद अब मृणाल ठाकुर फिल्म में लीड रोल में नजर आ रही हैं।

ओमंग कुमार की फिल्म से होगी हर्षवर्धन राणे की वापसी

इमोशन के बादशाह निर्देशक ओमंग कुमार और अभिनेता हर्षवर्धन राणे दोनों की जबरदस्त वापसी एक साथ एक नई फिल्म से होने जा रही है। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सादिया खतीब, करणवीर मेहरा और इप्सिता भी होंगे। फिल्म एक रोमांटिक एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। बायोपिक फिल्मों 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' से धाक जमाने वाले निर्देशक ओमंग कुमार अब मैदान में उतर रहे हैं एक नए तेवर के साथ। इस बार न कोई बायोपिक, न कोई सीधी-सादी कहानी—बल्कि दिलों को धड़काने वाला एक हाई-वोल्टेज रोमांटिक एक्शन ड्रामा, जिसमें प्यार भी है, तकरार भी है और जबरदस्त टशन भी। जानकारी के मुताबिक इस फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे रफ-टफ लुक वाले हर्षवर्धन राणे, संजीदा अदाकारा सादिया खतीब, स्टाइलिश और सधा हुआ अंदाज़ लिए करणवीर मेहरा, और एक ताज़गी से भरी धमाकेदार एंट्री के साथ इप्सिता। ये चौकड़ी मिलकर लव स्टोरी के पर्दे पर आग लगाने आ रही है। फिल्म का निर्माण कर रहे हैं खुद ओमंग कुमार। पता चला है कि ओमंग कुमार ने ये पूरा प्रोजेक्ट अभिषेक अंकुर (ब्लू लोटस पिक्चर्स), उमेश केआर बंसल, प्रगति देशमुख (ज़ी स्टूडियोज), हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह (स्टार्क एंटरटेनमेंट) और कैप्टन राहुल बाली (इनोवेशंस इंडिया) के साथ मिलकर खड़ा किया है।

अक्षरा सिंह को मिला बीजेएएनए यूएसए अवॉर्ड

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह को हाल ही में अमेरिका में एक खास सम्मान से नवाजा गया है। एक्ट्रेस की प्रतिभा, मेहनत और कला को देखते हुए उन्हें बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए यूएसए) द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय संस्कृति और भोजपुरी सिनेमा में अक्षरा के योगदान को दर्शाता है। इस सम्मान को पाकर अक्षरा सिंह बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ इस खुशी को साझा किया। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। इस फोटो में वह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा ने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि बिहार के एक छोटे से कोने से चलकर अमेरिका की धरती पर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। आज जब बीजेएएनए यूएसए से मुझे एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला, तो वह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था, वह मेरी मेहनत, संघर्ष और सपनों की जीत थी। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, भारत से इतनी दूर आकर जब लोग बिहार का नाम सम्मान और सराहना के साथ लेते हैं, तो लगता है जैसे वर्षों की तपस्या रंग लाई है। उस मिट्टी से जुड़ाव, जिसने मुझे सब कुछ सिखाया और आज उसी मिट्टी की खुशबू को मैंने अमेरिका तक पहुंचाया। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है, हर उस इंसान का है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ता है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, दिल से धन्यवाद बीजेएएनए यूएसए को, इतनी दूर होकर भी अपने लोगों को जोड़ने, पहचान देने और सम्मानित करने के लिए। आज एक भारतीय, एक बिहारी होने पर पहले से कहीं ज़्यादा गर्व महसूस हो रहा है। बीजेएएनए बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य बिहार की संस्कृति, शिक्षा, और समुदाय को बढ़ावा देना है।

चार साल की उम्र में शुरू किया अभिनय, निर्देशन में भी आजमाया हाथ, दिलचस्प रहा कुणाल खेमू का सफर

कुणाल खेमू ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरूआत की। सबसे पहले वह साल 1987 में टीवी सीरीज गुल गुलशन गुलफाम में नजर आए। कुणाल खेमू महेश भट्ट की फिल्म सर में नजर आए। इसके बाद बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कुणाल खेमू राजा हिंदुस्तानी, जख्म, भाई, हम हैं राही प्यार के और दुश्मन जैसी फिल्मों में नजर आए।

लीड एक्टर के तौर पर शुरू किया करियर

कुणाल खेमू ने साल 2005 से बतौर लीड एक्टर अपने करियर की शुरुआत की। वह पहली बार मोहित सुरी की फिल्म कलयुग में नजर आए। इसके बाद वह साल 2007 में ट्रैफिक सिग्नल में नजर आए। इसी साल कुणाल खेमू ने ढोल फिल्म में बतौर लीड एक्टर काम किया। साल 2008 में वह सुपरस्टार फिल्म में नजर आए। इसके बाद वह ढूंढते रह जाओगे, जय वीरू, 99 और गोलमाल 3 में नजर आए।

अलग-अलग विधाओं में आजमाया हाथ

कुणाल खेमू ने अभिनय के अलावा निर्देशन में भी हाथ आजमाया है। उन्होंने साल 2024 में फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का निर्देशन किया है। उनका ये तजुर्बा कामयाब रहा। उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक डेब्यू के लिए आईफा अवॉर्ड दिया गया। कुणाल मडगांव एक्सप्रेस के लेखक भी हैं। उन्होंने इस फिल्म के गाने हम हैं यहीं और बहुत भारी लिखे।

सैफ की बहन से शादी

कुणाल खेमू मई 2009 से अभिनेत्री सोहा अली खान के साथ रिश्ते में थे। डेट करने के बाद कुणाल खेमू ने सोहा से जुलाई 2014 में सगाई की और 25 जनवरी 2015 को मुंबई में एक निजी समारोह में शादी कर ली। सोहा अली खान से शादी करने के बाद कुणाल खेमू पटौदी परिवार से जुड़े। 29 सितंबर 2017 को कुणाल और सोहा ने अपनी बेटी इनाया नौमी खेमू का स्वागत किया।

जॉन अब्राहम ने अपनी अगली फिल्म पर खोले पत्ते

जॉन अब्राहम को बायोपिक द डिप्लोमैट में अपनी अदाकारी के लिए दर्शकों से खूब तारीफें मिलीं। इसी साल मार्च में रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स ने भी सराहा। जॉन अब अगली फिल्म की तैयारी में जुटे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी अगली फिल्म भी बायोपिक है, जिस पर जॉन ने पत्ते खोल दिए हैं। जॉन अब्राहम ने एक इवेंट में पुष्टि की है कि वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं। जॉन अब्राहम आज सोमवार को लक्कड़बग्घा - द प्रोलॉग के लॉन्च इवेंट में शामिल हुए। इस ग्राफिक नॉवेल के लॉन्च इवेंट में अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म को लेकर बात की। जॉन ने कंफर्म किया कि वे राकेश मारिया की बायोपिक कर रहे हैं। एक्टर ने यह भी बताया कि फिलहाल उनका जो लुक है, वह इसी बायोपिक के लिए है। कॉमिक बुक लक्कड़बग्घा - द प्रोलॉग के लॉन्च इवेंट में पहुंचे जॉन अब्राहम ने कहा कि वे राकेश मारिया के जीवन पर आधारित फिल्म कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या उनका नया लुक उसी फिल्म के लिए है? इस पर एक्टर ने कहा, हां। साथ ही अपना अनुभव भी बताया। जॉन ने कहा कि फिल्म में काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा है।

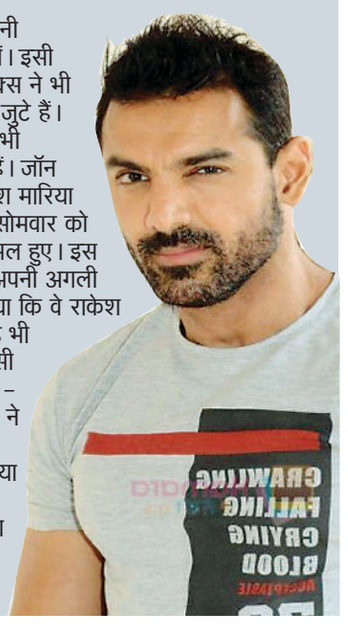

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।